हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 177 बेमेतरा, मंगलवार 17 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

200 मीटर गहरी खाई में गिरी जीप, तीन दोस्तों की मौत

थुनाग। हिमाचल प्रदेश के सराज क्षेत्र में हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसा सुबह करीब चार बजे बूनालीधार के पास हुआ। चार दोस्त घर से जीप लेकर निकले थे, जो रास्ते में अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। जानकारी के अनुसार, जीप (एचपी65-5148) योगराज निवासी बगस्याड की थी। हादसे में योगराज के बेटे हार्दिक की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चारों युवक बिना घरवालों को बताए तड़के घर से निकले थे। लंबाथाच-कलहणी सड़क पर बूनालीधार के समीप जीप करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। गाड़ी गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। दो युवक गाड़ी के बाहर पड़े मिले, जबकि दो अंदर फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां दो युवकों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि चौथे की हालत गंभीर बनी हुई है।

महिलाओं का अपमान कतई भी बर्दाश्त नहीं, गुंडों का इलाज किया जाएगा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में हुए विवाद के दौरान एक महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर हुए हमले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा है कि महिलाओं का अपमान कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रियंक कानूनगो ने लिखा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला पत्रकार के साथ हिंसक दुर्व्यवहार की शिकायत मिली है। हम संज्ञान ले रहे हैं, गुंडों का विधिसम्मत इलाज किया जाएगा। महिलाओं का अपमान कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं इस घटना को लेकर कुलपति योगेश सिंह ने शिक्षकों और छात्रों से सद्भाव बनाए रखने का आग्रह किया। कुलपति ने कहा, मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों और छात्रों से अनुरोध करता हूं कि वे आपस में सद्भाव बनाए रखें। किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल न हों जिससे आपसी कलह बढ़े और देश तथा विश्वविद्यालय की छवि को नुकसान पहुंचे। उन्होंने कहा, कल दिल्ली विश्वविद्यालय में घटी घटना चिंता का विषय है।

कानून से ऊपर कोई नहीं, चाहे शंकराचार्य हों या मंत्री-सीताराम

अयोध्या। धार्मिक संत और कथावाचक सीताराम दास महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं हो सकता वाले बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा में जो कहा है, वह बिल्कुल सत्य है। सीताराम दास महाराज ने कहा कि देश संविधान और कानून से चलता है। कानून कोई भी गैर-कानूनी तरीका अपनाने की इजाजत नहीं देता। कानून किसी के साथ पक्षपात नहीं करता। सभी के लिए कानून बराबर है। चाहे वह शंकराचार्य हो या कोई मंत्री, सभी को कानून के दायरे में रहना होगा।

पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े एआई समिट का उद्घाटन किया

इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय द्वारा आयोजित थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय'

- एआई इंपैक्ट समिट 2026' में वैश्विक नेता और टेक दिग्गज शामिल हुए

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी गतिविधियों पर केंद्रित प्रदर्शनी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो' का उद्घाटन किया. प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रदर्शनी का उद्घटान करने के बाद प्रदर्शनी में हिस्सा ले रही स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया. उन्होंने विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया और प्रदर्शनी में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की. इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलग-अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, सहयोग, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी अन्य मुद्दों पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एआई पर चर्चा के लिए दुनिया को एक साथ लाना! आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट होस्ट कर रहा है. मैं इस समिट के लिए दुनिया भर के लीडर्स, इंडस्ट्री के कैप्टन्स, इनोवेटर्स, पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स और टेक के शौकीनों का दिल से स्वागत करता हूं. समिट की थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, यानी सभी का कल्याण, सभी के लिए खुशी, जो ह्यूमन-सेंट्रिक प्रोग्रेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा कमिटमेंट को दिखाता है. पीएम मोदी ने कहा, एआई आज स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, गवर्नेंस और एंटरप्राइज सहित कई सेक्टर्स को बदल रहा है. एआई इम्पैक्ट समिट एआई के अलग-अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, कोलेबोरेशन, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी बहुत कुछ पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा. मुझे विश्वास है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो. उन्होंने आगे कहा, भारत के 1.4 बिलियन लोगों की वजह से, हमारा देश एआई ट्रांसफॉर्मेशन में सबसे आगे है. डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एक वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम और कटिंग-एज रिसर्च तक, एआई में हमारी तरक्की लक्ष्य और जिम्मेदारी दोनों को दिखाती है. इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में 600 से ज्यादा हाई-कैपेसिटी स्टार्टअप्स हिस्सा ले रहे हैं। यह अपने ऐसे समाधानों को प्रदर्शित करेंगे जो वास्तविक दुनिया में पहले से उपयोग में हैं। इसमें हेल्थकेयर, एग्रीटेक, एजुकेशन, साइबर सिक्योरिटी, शहरी विकास और अन्य सेक्टरों से जुड़े इनोवेशन शामिल होंगे, जो द्रु के ज़रिए समस्याओं के समाधान का रास्ता दिखाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई पवेलयिंस में जाकर लोगों से मुलकात की। इस दौरान पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। पीएम मोदी एयरटेल के पवेलियन में भी पहुंचे हैं। उन्होंने नेटवर्क बेस्ड आइडेंटिफिकेशन तकनीक की जानकारी ली। इस तकनीक की मदद से एयरटेल फ्रॉड से यूजर्स का बचाव कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो में जयिो के पवेलयिन का भी दौरा कयिा। वहां उन्होंने आकाश अंबानी से मलिकर जयिो की ओर से एआई के क्षेत्र में कएि जा रहे कामों को जाना। प्रधानमंत्री ने जियो इंटेलिजेंस, जियो संस्कृति एआई, जियो आरोग्य एआई, जियो शिक्षा और जियो एआई होम जैसे मॉडलों को देखा।

17 फरवरी से सभी के लिए खुलेगी प्रदर्शनी

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में प्रवेश पर कार्यक्रम के पहले दिन कुछ प्रतिबंध होंगे। इसके साथ आयोजित होने वाली प्रदर्शनी 17 फरवरी से सभी के लिए खुलेगी। एक एडवाइजरी में कहा गया, भारत मंडपम प्रदर्शनी क्षेत्र 16 फरवरी को बंद रहेगा (उद्घाटन शाम पांच बजे) और प्रदर्शनी 17 फरवरी से सभी के लिए खुलेगी।

समिट में 3250 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक सत्र होंगे

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 3250 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक सत्र होंगे. एआई के युग में रोजगार के भविष्य, कौशल विकास, बड़े पैमाने पर सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, एआई शासन और बुनियादी ढांचा, जनरेटिव एआई के उपयोग, और सार्वजनिक क्षेत्र में एआई के मामलों पर पैनल चर्चाओं में इतनी भीड़ हुई कि सभी खड़े होकर ही सत्र सुन सके.

अय्यर ने पवन खेड़ा को घेरा-बढ़ा विवाद

वो कठपुतली है,जयराम रमेश का तोता है-मणिशंकर अय्यर

तिरुवनंतपुरम/ एजेंसी

केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की तारीफकरने और फिर से सीएम बनने का दावा करके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ चुके हैं। तिरुवनंतपुरम में रविवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम विजयन की मौजूदगी उन्होंने कहा कि पिनरई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनके इस बयान के बाद सियासी भूचाल आ गया, जिसके बाद पार्टी नेताओं ने उनके इस बयान की आलोचना की। अय्यर के बयान के बाद कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा और महासचिव व

संचार प्रभारी जयराम रमेश की प्रतिक्रिया आई। जिस पर अब मणिशंकर अय्यर ने तीखा पलटवार किया है। कांग्रेस नेता अय्यर ने पवन खेड़ा को आड़े हाथों लेते हुए उनको कठपुतली करार दिया, साथ ही कहा कि वो पार्टी के अधिकृत प्रवक्ता नहीं हैं। उन्होंने दो टूक पवन खेड़ा को एक 'कठपुतली' बताया, जो पार्टी महासचिव जयराम रमेश के कहे अनुसार ही काम करता है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए मणिशंकर अय्यर ने कहा कि पवन खेड़ा प्रवक्ता नहीं बल्कि एक तोता है। राष्ट्रीय स्तर पर वामपंथी दलों के साथ कांग्रेस के गठबंधन पर बात करते हुए अय्यर ने कहा कि पवन खेड़ा से बेहतर उम्मीदवार कांग्रेस प्रवक्ता के पद के लिए मौजूद रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि आप पवन खेड़ा को संदेश भेजें। उन्होंने दिल्ली में एमए बेबी के साथ गठबंधन किया है और यहां पिनरई विजयन के साथ मेरे गठबंधन से उन्हें परेशानी हो रही है। ये किस तरह के कांग्रेसी हैं सबसे बड़ी बात पवन खेड़ा को प्रवक्ता बनाकर कोई पार्टी कितनी मूर्ख हो सकती है।

राजस्थान में 17 फरवरी से बदलेगा मौसम, बरसात का अलर्ट, दिन में तेज गर्मी

जयपुर। राजस्थान में 17-18 फरवरी को एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा, जिसके असर से जयपुर और बीकानेर संभाग के क्षेत्रों में बादल छा सकते हैं और कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। बाड़मेर - शनिवारको दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। विशेषज्ञों के अनुसार, बाड़मेर में इतना तापमान आमतौर पर 20 फरवरी के बाद ही दर्ज होता है। अन्य गर्म शहरजैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, बीकानेर, चूरू, नागौर, चित्तौड़गढ़, जालौर, लूणकरणसर, पाली और डूंगरपुर में भी दिन में गर्मी रही।

योगी के साथी करते थे मुखबिरी

आजादी से पहले कब वंदे मातरम गाया था-अखिलेश

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के स्कूलों और मदरसों में वंदे मातरम को अनिवार्य करने के सरकारी आदेश ने राज्य की सियासत में एक नया उबाल पैदा कर दिया है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। एक तरफ सरकार इसे राष्ट्रभक्ति से जोड़ रही है। वहीं, विपक्ष इसे इतिहास और निष्ठा के चश्मे से देख रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सीधा हमला बोलते हुए उनके अतीत और विचारधारा पर सवाल उठाए। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बिष्ट जी पहले अपने लोगों से पूछ लें कि उन्होंने आजादी से पहले कब वंदे मातरम गाया था उनके अनरजिस्टर्ड संघी साथी तब कहां थे वे तो उस वक्त मुखबिरी में व्यस्त थे।

जो भारत की संस्कृति को रौंदने आया था

सीएम योगी बोले-सपा के लोग गाजी मेले का समर्थन करते हैं

लखनऊ/ एजेंसी

विधानसभा सत्र में सीएम योगी ने कहा, सपा के लोग गाजी के मेले का समर्थन करते हैं, जो भारत की संस्कृति को रौंदने आया था। महाराज सुहेलदेव के नाम पर हमने विवि बनाया। ये लोग राम मंदिर का विरोध करते हैं, काशी विश्वनाथ का विरोध करते हैं। इन लोगों में भारत की आस्था का कोई सम्मान नहीं है। संभल, बरेली, बौद्ध तीर्थ, प्रयागराज, काशी, मथुरा समेत सभी तीर्थों का विकास किया जा रहा है। आज यूपी की पहचान देव दिवाली से होती है। सीएम ने कहा, यूपी को

बीमारू राज्य कहकर लोग इसका मजाक उड़ाते थे। आज देश की जीडीपी में 9.5 फीसदी है। प्रति व्यक्ति आया तीन गुना हुई है। 8.5 वर्षों में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, हां टैक्स चोरी रोकी है। आज रेवेन्यू सरप्लस प्रदेश के रूप में हम हैं। 2017 से पहले कृषि के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। किसान सिर्फ वोट बैंक था। आज लागत कम उत्पादन ज्यादा है। आज किसान विकास का साथी है। जो भी पैसा होता है, डीबीटी के माध्यम के सीधे अन्नदाता के खातों में जाता है। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से 95 हजार करोड़ से अधिक धनराशि यूपी के किसानों को दी गई है। आज 'खेती की बात खेत में' हो रही है। कृषि वैज्ञानिक जाते हैं, किसान से बात करते हैं। कृषि उत्पादन की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है। आज प्रदेश के अंदर 7727 गो आश्रय स्थल संचालित हैं। इनमें 16 हजार से अधिक गवंश हैं।

सीएम सुक्खू का सिरमौर को बड़ा तोहफा, पच्छाद में दी 32 करोड़ की 7 परियोजनाओं की शानदार सौगात

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज सिरमौर ज़िले के पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के सराहां में लगभग 32 करोड़ रुपये की लागत की 7 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किए। मुख्यमंत्री ने 1.44 करोड़ रुपये की लागत से सहायक जिला न्यायवादी राजगढ़ के लिए कार्यालय सह आवासीय भवन, 1.98 करोड़ रुपये की लागत से नोहरी में उप-तहसील भवन, 5.74 करोड़ रुपये की लागत से थानी-थामनी-खरीमू सड़क, 4.73 करोड़ रुपये की लागत से उठाऊ पेयजल योजना लाना भलटा लोह।

शादी का झूठा वादा और शारीरिक संबंध

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी कहा-शादी से पहले सतर्क रहें

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शादी से पहले शारीरिक संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। यह टिप्पणियां एक ऐसे मामले में आईं, जहां एक व्यक्ति पर शादी का झूठा वादा करके बलात्कार का आरोप लगा था और वह जमानत की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने जोर देकर कहा कि शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाने से पहले लोगों को बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। कोर्ट ने कहा, शायद हम पुराने खयालात वाले हैं, लेकिन

शादी से पहले लड़का और लड़की कानूनी और सामाजिक रूप से अजनबी ही होते हैं। रिश्ते कितने भी गहरे क्यों न हों, शादी पक्की होने तक फिजिकल रिलेशनशिप में जाना समझ से परे है। जस्टिस नागरत्ना ने आगे कहा कि शादी से पहले किसी पर भी पूरी तरह भरोसा नहीं करना चाहिए। लोगों को बहुत सतर्क रहना चाहिए। यह टिप्पणियां एक 30 वर्षीय महिला की शिकायत पर आधारित मामले में आईं, जो 2022 में एक मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए आरोपी से मिली थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी पहले से शादीशुदा था, फिर भी शादी का वादा करके महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। यह संबंध दिल्ली और दुबई समेत कई जगहों पर चला। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी सहमति के बिना अंतरंग वीडियो बनाए और बाद में उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया।

शिक्षा संवाद छत्तीसगढ़ विवाद

सरकारी पत्र का दुरुपयोग कर निजी यूनिवर्सिटीज से वसूली

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 17 फरवरी को होने वाले 'शिक्षा संवाद छत्तीसगढ़ 2026' कार्यक्रम को लेकर गंभीर विवाद सामने आया है। मामले में नोएडा स्थित इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया पर गंभीर आरोप लगे हैं। कंपनी पर आरोप है कि उसने छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग के एक आधिकारिक पत्र का उपयोग कर इस कार्यक्रम को सरकारी आयोजन के रूप में पेश किया। इतना ही नहीं प्राइवेट विश्वविद्यालयों से स्पॉन्सरशिप के नाम पर फंडिंग करने का भी आरोप लगा है। आरोप है कि इस इवेंट कंपनी ने छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग के सचिव एस. भारती दासन के नाम से जारी एक पत्र का इस्तेमाल किया है, जिसमें कार्यक्रम को नि:शुल्क बताकर सरकारी लोगो और लेटर हेड के उपयोग की अनुमति ली गई थी। इसी पत्र के आधार पर प्रदेश की कई निजी विश्वविद्यालयों से स्पॉन्सरशिप के नाम पर जमकर वसूली किया गया। जबकि कार्यक्रम पूरी तरह प्राइवेट कंपनी का था पर इसे सरकारी कार्यक्रम की तरह पेश किया जा रहा था। सबसे बड़ी और हैरान करने वाली बात ये है कि इस आयोजन का प्रचार-प्रसार छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी किया जा रहा था। इससे यह सरकारी आयोजन माने जाने लगा। वहीं इलेट्स टेक्नोमिडिया की वेबसाइट पर भी इसे विभाग के साथ सहयोग से आयोजित किया जाना बताया गया। वहीं उच्च शिक्षा विभाग को सह-आयोजक के रूप पेश किया गया। इस मामले में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार

विश्वविद्यालय के कुलपति महादेव कावरे ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजक उनके पास पहुंचे थे। उच्च शिक्षा सचिव का पत्र दिखाकर इसे सरकारी कार्यक्रम बताया गया था। इस वजह से इस कार्यक्रम पर संदेह नहीं हुआ । इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने सवाल उठाते हुए मंत्री टंकराम वर्मा से पूछा है कि जिस इलेट्स टेक्नो मिडिया के इवेंट को एमपी सरकार ने वसूली की शिकायत के बाद कार्यक्रम को रद्द कर दिया। उसी इवेंट कंपनी को छत्तीसगढ़ में कार्यक्रम की अनुमति कैसे दे दी गई सरकारी वेबसाइट में मंत्री की फोटो लगाकर छत्तीसगढ़ शासन के लोगो के साथ प्रचार क्यों किया जा रहा हैं प्रदेश में भी इवेंट के नाम से कम्पनी की तरफ से निजी विश्वविद्यालयों से मोटी रकम लेने की शिकायत मिल रही हैं, वसूली के लिये सचिव के पत्र को आधार बनाया जा रहा है। ये कैसा शिक्षा संवाद हैं जो वसूली का जरिया बना गया हैं। जिन विश्वविद्यालयों से इवेंट कंपनी कार्यक्रम के नाम से राशि ली है उसे लोटाई जाये। कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इलेट्स ने नि:शुल्क इवेंट कराने उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्ताव दिया था। प्रायवेट इवेंट कंपनी को आखिर छत्तीसगढ़ सरकार के आधिकारिक लोगो का इस्तेमाल की अनुमति कैसे दी गई इवेंट कंपनी प्राइवेट यूनिवर्सिटी में सेकेट्री के लेटर के आधार पर इवेंट में स्पॉन्सर के लिए फंड कलेक्शन कर रहा हैं इसकी जवाबदारी किसकी हैं।

उच्च शिक्षा सचिव के पत्र को तत्काल किया जाए निरस्त

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय ठाकुर ने आरोप लगाते कहा उच्च शिक्षा सचिव भारतीय दासन द्वारा जारी पत्र को तत्काल निरस्त किया जाए और जहां-जहां से कंपनी ने वसूली की है, वह राशि वापस की जाए. उन्होंने कहा कि यह कंपनी मध्य प्रदेश में भी इसी तरह सचिव के लेटर से वसूली कर चुकी है. वहां प्रमुख सचिव निकुंज कुमार श्रीवास्तव को जानकारी मिलते ही कार्यक्रम तत्काल रद्द कर दिया गया था, और कंपनी के मालिक को फटकार लगाई गई थी. वहीं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा मुझे इसकी जानकारी नहीं है. आपके माध्यम से जानकारी मिल रही है. मैं अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश देता हूं. वहीं इस संबंध में इवेंट कंपनी के मालिक रवि गुप्ता से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला.

थाना सरिया ने 8 किलो 240 ग्राम गांजा के साथ आरोपी को दबोचा..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 किलो 240 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 1,07,000 रुपये आंकी गई है।

उड़ीसा से ला रहा था गांजा

जिले के पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पाण्डेय और उप पुलिस अधीक्षक सुश्री संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के नेतृत्व में टीम पेट्रोलिंग पर थी।16 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि लाल रंग की ॥स्न डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक ह्रष्ठ 17 रु 0372 का चालक उड़ीसा से गांजा लेकर ग्राम मल्दा, सारंगढ़ की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही सरिया थाना के सामने मुख्य मार्ग पर घेराबंदी की गई।

तलाशी में मिला 7 पैकेट गांजा

रोककर पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम धरम सिंह सिदार (45 वर्ष), निवासी ग्राम मल्दा थाना सिटी कोतवाली सारंगढ़ बताया। मोटरसाइकिल के पीछे बंधी प्लास्टिक बोरी और डिक्की की तलाशी लेने पर 7 पैकेट में कुल 8 किलो 240 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह उड़ीसा के कंटामाल क्षेत्र से गांजा लाकर सारंगढ़ में बिक्री करने जा रहा था।

जब्त संपत्ति

1. 8 किलो 240 ग्राम गांजा, कीमत लगभग 80,000 रुपये2. ॥स्न डीलक्स मोटरसाइकिल (ह्रष्ठ 17 रु 0372), कीमत लगभग 25,000 रुपये 3. एक मोबाइल फोन, कीमत लगभग 2,000 रुपये4. कुल जब्त संपत्ति की कीमत लगभग 1,07,000 रुपये है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई

आरोपी के खिलाफथाना सरिया में अपराध क्रमांक 29/2026 धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, सहायक उप निरीक्षक मोतीलाल डनसेना, प्रधान आरक्षक मोहन गुप्ता, सुरेंद्र सिदार, आरक्षक विमल जांगड़े, दिलीप स्नेही, दिगंबर, खेमलाल, साइबर सेल प्रभारी रामकुमार मानिकपुरी सहित पूरी टीम की अहम भूमिका रही।

बिलाईगढ़ हॉस्पिटल में प्रायवेट के तर्ज पर दी जा रही सुविधा, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सभी निर्माण कार्यों को 10 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश

हॉस्पिटल के फ्री और शुल्क परीक्षण का कलेक्टर ने मरीजों से लिया फीडबैक

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ का सोमवार को निरीक्षण कर डीएमएफ मद से चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्माणाधीन कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया और ठेकेदार को स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्माण कार्यों में तेजी लाये और गुणवत्ता के साथ 10 मार्च तक सभी लंबित कार्य पूर्ण करें। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।प्रायवेट हॉस्पिटल की तर्ज पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में निर्माण और स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है, एक्स-रे, सोनोग्राफी और कई प्रकार के टेस्ट की सुविधा उपलब्ध है।

कलेक्टर ने ओपीडी, आईपीडी, ड्रेसिंग, दवा, एनसीडी, लैब, नेत्र एक्स-रे आदि कक्ष का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने रेबीज के साथ अन्य दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली।

लैब कक्ष में प्रतिदिन लगभग 50 मरीजों की जांच पर, एक्स-रे कक्ष में कलेक्टर को शुल्क की जानकारी दी गई कि एक्स-रे की पीडीएफकॉपी के लिए 50 रुपये और प्रिंट के लिए 150 रुपये शुल्क लिया जाता है, जबकि बुजुर्गों और बच्चों के लिए सुविधा निःशुल्क है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को मरीजों को बेहतर सुविधा देने और सभी विकास कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। हाथ-पैर के इलाज के लिए आये मरीज मंटोरी बर्मन और पेट दर्द के इलाज के लिलिए हॉस्पिटल आयी कौशल्या कुमारी ने कलेक्टर को बताया कि पहले की तुलना में अस्पताल की व्यवस्था बेहतर हुई है और समय-समय पर नर्सिंग स्टाफ मरीजों की देखभाल कर रहे हैं।

हितग्राही के घर पहुंच कर कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने किया निर्माणाधीन पीएम आवास का अवलोकन

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी और पीएम आवास के अपूर्ण कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

आंगनबाड़ी के बच्चों का बेहतर ख्याल के साथ बुनियादी शिक्षा पर जोर देने, कलेक्टर के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों सोमवार को का दौरा कर, वहां बन रहे आंगनबाड़ी केंद्रों और प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों का अवलोकन किया। ग्राम पंचायत देवबोड़ में हितग्राही के घर पहुंच कर, बन रहे पीएम मकान का कलेक्टर द्वारा निरीक्षण किया गया। हितग्राही चंद्रिका मारकंडे ने बताया कि उन्हें दो किश्त राशि मिली है, जिससे निर्माण में मकान का कॉलम की है और ईंट की चुनाई जारी है। पहले वे कच्चे मिट्टी के घर में रहते थे, जहां बरसात के समय काफी परेशानी होती थी और छत से पानी टपकता था। अब पक्का मकान बनने से परिवार को सुरक्षित आवास मिलेगा और जीवन स्तर में सुधार होगा। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों से बातचीत कर योजनाओं के वास्तविक हितग्राही को लाभ की जानकारी ली। कलेक्टर ने पंचायत और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों कर्मचारियों को निर्माण कार्य समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ सही हितग्राहियों तक समय पर पहुंचना चाहिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 बिलाईगढ़ का निरीक्षण किया गया। यहां 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के 13 बच्चे पंजीकृत पाए गए। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से मध्यम कुपोषित बच्चों की जानकारी ली और सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा एवं आवश्यक गतिविधियां नियमित रूप से सिखाने के निर्देश दिए।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रत्ना जायसवाल से सुपरवाइजर नियमित निरीक्षण के लिए आती हैं या नहीं, की जानकारी ली। कलेक्टर ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर कार्य सुनिश्चित करने कहा। ग्राम पंचायत देवरबोड़ टाडापारा में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने अपूर्ण कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों के लिए आकर्षक वातावरण तैयार करने हेतु भवन में कार्टून पेंटिंग कराने को कहा, ताकि बच्चे रुचि के साथ पढ़ाई कर सकें।

विधायक ने ग्राम पुसावण्ड और बड़ेबंजोड़ा को दी विकास कार्यों की सौगात

कोंडागांव/मूक पत्रिका

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री लता उसेंडी ने शनिवार को ग्राम पुसावण्ड में कुल 17.15 लाख रुपए की लागत के दो विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन कार्यों में आश्रित ग्राम काकड़गांव मातागुड़ी के पास 3 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सांस्कृतिक भवन का भूमिपूजन तथा 14.15 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण शामिल है। इसी प्रकार विधायक सुश्री उसेंडी ने ग्राम बड़ेबंजोड़ा में भी कुल 06 लाख रूपए की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों में पखना पारा शिवलाल घर से 100 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य लागत 03 लाख रूपए और सीदाय घर से गुडिया घर तक 100 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य लागत 03 लाख रूपए शामिल है। इस अवसर पर विधायक सुश्री उसेंडी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में सड़क, भवन और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सीसी सड़क निर्माण से बारिश के दिनों में होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी और ग्रामीणों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।कार्यक्रम में सरपंच सूरज पोयाम, जनपद सदस्य फरसूराम नेताम, इंदलराम यादव, हितेश झा, श संतोष पात्र, सुकालूराम पोयाम, सोनारूराम मंडावी, मेहत्तर बघेल, शिवराम बघेल, मंगलूराम मंडावी, सोमसू पोयाम, रूनीका मानिकपुरी, महादेव पायोम, लच्छूराम पोयाम सहित पंचगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बीजापुर में नक्सल विरोधी अभियानों में आईईडी, बीजीएल और विस्फोटक बरामद, संयुक्त टीमों की कार्रवाई, कमलापुर और कोरचोली में बने अवैध माओवादी स्मारक ध्वस्त

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले में माओवादियों के विरुद्ध चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियानों के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन के दौरान आईईडी, बीजीएल और विस्फोटक सामग्री सहित कई सामान बरामद किए गए, जिन्हें सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना उसूर क्षेत्र के ताड़पाला बेस एरिया में सीआरपीएफकी 229वीं वाहिनी की टीम ने सघन सर्च अभियान चलाया। ताड़पाला बेस से दक्षिण दिशा में नाले के पास माओवादियों द्वारा प्लांट किए गए दो आईईडी बरामद हुए। इनमें एक बियर बॉटल में और दूसरा बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) में फिट था। आगे की तलाशी में जमीन के भीतर डंप कर रखी गई विस्फोटक सामग्री और अन्य माओवादी सामान भी जब्त किए गए।

बरामद सामग्री में 40 बीजीएल, 35 बीजीएल राउंड, 90 बैटरियां, डायरेक्शनल आईईडी बनाने के लिए लोहे की सात पाइप, कच्चे ग्रेनेड तैयार करने की सामग्री, लोहे की प्लेट, लेथ मशीन के पार्ट्स, आयरन कटर ब्लेड, प्लास्टिक ड्रम, स्टील ट्रंक, वाटर पंप, साबुन, डिटर्जेंट पाउडर, मैगजीन पाउच सहित दैनिक उपयोग के सामान शामिल हैं। इसी क्रम में सीआरपीएफकी 22वीं और 214वीं वाहिनी की संयुक्त टीम ने थाना भोपालपटनम क्षेत्र के कोंडापड़गु इलाके में डिमाइनिंग के दौरान जमीन में दबाकर रखे गए चार बियर बॉटल आईईडी बरामद किए, जिन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया गया।

एरिया डॉमिनेशन के दौरान कमलापुर के जंगलों तथा गंगालूर थाना क्षेत्र के कोरचोली में माओवादियों द्वारा बनाए गए अवैध स्मारकों को भी सुरक्षा बलों ने ध्वस्त किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में माओवादी संगठन के खिलाफअभियान लगातार जारी है और सुरक्षा बल पूरी सतर्कता के साथ सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

सारंगढ़ पीएम श्री के स्कूली बच्चों का कार व ट्रेक्टर से स्टण्ड करते विडिओ वायरल

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ मुख्यालय से लगभग 500 मीटर की दूरी मे पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कुल मे बड़ी लापरवाही उजागर हुआ है जहाँ स्कूली बच्चों के द्वारा कार व ट्रेक्टर के स्टण्ड बाजी का वीडियो सामने आया है.नाबालिग बच्चों का कार स्टंट साफतौर पर वीडियो दिखाई दे रहा है जानकारी के अनुसार, स्टंट करते बच्चे स्कूल के फेयरवेल कार्यक्रम में जा रहे थे. इस दौरान नाबालिक स्कूली बच्चों ने गाड़ी के स्टेरिंग को खुद के हाथो मे रखा था और स्टंड के साथ चलाते दिखे. उन्होने सारंगढ़ के बहुचर्चित जगह खेल मैदान मे लगभग 8 से 10 कार और टैक्टर के साथ मे मैदान के चारो ओर गोल-गोल कार के दरवाज़े मे बैठकर स्टंड करते नजर आये तथा खेल मैदान से निकलने के दौरान रास्ते में उन्होंने न सिर्फ ट्रैफिक नियमों की खुलेआम अनदेखी की, बल्कि अपनी और दूसरों की जान को भी खतरे में डाली. वीडियो में कार की रफ्तार काफी तेज दिखाई दे रही थी, ऐसे में जरा-सी चूक एक बड़े हादसे का कारण बन सकती थी. वीडियो में दिखने वाले ज्यादातर बच्चे नाबालिग नजर आ रहे थे, जो कानून अपराध है. वहीं इस तरह का स्टंट करना मोटर व्हीकल एक्ट का सीधा उल्लंघन है, स्टंट के विषय में प्राचार्य जी को फ़ोन के माध्यम से पूछना चाहा तो उन्होंने साफ अपने बचाव करते हुए कहा की, हमारे द्वारा किसी बच्चे को ऐसे करने का अनुमति नहीं दिया गया था, और ना ही बोला गया था। भला ऐसा हो सकता है क्या, की नाबालिक बच्चे बिना स्कूल प्राचार्य या शिक्षकों के जानकारी बीना इस तरह का फेयरवेल का दिन स्कूल बच्चों द्वारा ऐसे गाड़ी में स्टंट करेंगे,इस स्थिति में स्थानीय लोगों ने स्कूली बच्चों के लापरवाही को सीधा, स्कूल प्राचार्य व शिक्षकों के ऊपर निशाना साधा है।हालांकि इस लापरवाही से किसी भी बच्चों को कोई नुकसान तो नही पहुचा मौजूद लोगों ने कहा,कही न कही बड़ी दुर्घटना टली।

छात्र छात्राओं और शिक्षकों से कलेक्टर का सवाल, कितना पढ़े और कितना पढ़ाये

बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ ब्लॉक के स्कूलों का किया निरीक्षण

गलत तरीके से 75 प्रतिशत उपस्थिति दर्शाने पर प्रधान पाठक को कलेक्टर द्वारा नोटिस जारी करने के निर्देश

कलेक्टर ने अनुपस्थित शिक्षक को नोटिस देने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने प्रयोगशाला की अव्यवस्था पर जताई नाराज़गी

सुंदर लिखावट पर कलेक्टर ने की छात्रा खुशबू साहू की तारीफ

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

आगामी 20 फरवरी से शुरू होने जा रही 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, प्रयोगशालाओं की स्थिति तथा बोर्ड परीक्षा की तैयारियों का भौतिक रूप से उपस्थित होकर व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी जोइधा राम डहरिया भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बेलटिकरी का निरीक्षण कर सभी शिक्षकों का बैठक लेकर स्कूल की पढ़ाई, परीक्षा के लिए बच्चों और स्कूल की ओर से तैयारी तथा और 10वीं बोर्ड परीक्षा के पिछले परिणामों की जानकारी ली। संस्कृत शिक्षक से गत वर्ष फेल हुए विद्यार्थियों की संख्या सही जानकारी नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। अंग्रेजी विषय में पिछले वर्ष लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थी अंग्रेजी में अनुत्तीर्ण हुए थे। निरीक्षण के दौरान शिक्षक कुर्रे अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने डीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गलत तरीके से 75 प्रतिशत उपस्थिति दर्शाने पर प्रधान पाठक को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। उपस्थिति और प्रयोगशाला व्यवस्था पर नाराजगी विद्यालय में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति पर कलेक्टर ने गहरी चिंता व्यक्त की और पालकों से नियमित संपर्क कर उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। प्रयोगशाला का निरीक्षण करने पर पाया गया कि तीन शिक्षक होने के बावजूद प्रयोगशाला का सामान बिखरा हुआ है और व्यवस्थित नहीं है। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय में कुल 14 विद्यार्थियों में से केवल 4 उपस्थित मिले। रसायन शास्त्र की कॉपी जांचने पर छात्रा खुशबू साहू की सुंदर लिखावट की कलेक्टर ने सराहना की।कक्षा 9वीं एवं 11वीं की कक्षाओं में विद्यार्थियों से हिंदी में श्रृंगार रस की परिभाषा तथा अंग्रेजी में प्रेजेंट कंटीन्यूअस टेंस से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनका अधिकांश विद्यार्थी सही उत्तर नहीं दे पाए। विषय शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने पीएमश्री विद्यालय पवनी का भी निरीक्षण किया। यहां दो पालियों में स्कूल संचालित होने की जानकारी ली गई। कक्षा 4 के विद्यार्थियों से कंप्यूटर विषय के प्रमुख पाठों के बारे में पूछा गया, जिसका बच्चों ने सही उत्तर दिया। कलेक्टर ने अध्ययन समय में केवल पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए।पवनी शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल का भी निरीक्षण किया गया। कक्षा 11वीं कला संकाय में भूगोल विषय के अंतर्गत भूकंप एवं उसके प्रकारों के बारे में प्रश्न पूछे गए। छात्रा संजना निराला ने संतोषजनक उत्तर दिया, जबकि कई छात्राएं उत्तर नहीं दे सकीं। कलेक्टर ने शिक्षकों को बेहतर परिणाम लाने, नियमित कक्षाएं संचालित करने और बोर्ड परीक्षा की समुचित तैयारी कराने के निर्देश दिए।कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने स्पष्ट किया कि बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा परीक्षा परिणाम बेहतर करने के लिए सभी शिक्षकों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत वालीबाल प्रतियोगिता में एस पी होंगे शामिल

कोंडागांव/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक कोंडागांव पंकज चंद्रा के मार्ग निर्देशन एंव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंडागांव कपिल चंद्रा व उप पुलिस अधीक्षक सतीश भार्गव एसडीओपी मर्दापाल के संरक्षण व थाना प्रभारी बयानार राकेश कुमार राठौर के नेतृत्व में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत जिला कोंडागांव के सुदूर दूरस्थ अंचल थाना बयानार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पेरमापाल में दो दिवसीय वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाहै जहां ग्रामीणों की आस्था एवं श्रद्धा को ध्यान में रखते हुए गांव पेरमपाल के माटी पुजारी गायता पेरमा पुजारी सरपंच मुखिया एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में कुलदेवी देवता का पूजा पाठ किया गया । अतिथियों का स्वागत उपरांत वालीवाल खेल प्रतियोगिता में उपस्थित 16 टीमों का खेल प्रारंभ कराया गया। ग्रामीणों एवं बाहर से आए जनप्रतिनिधि गण, प्रतिभागी खिलाड़ियों के लिए समुचित भोजन व्यवस्था कर भोजन कराया गया।

जितने आवास हैं उसमें भी आधे से ज्यादा कंडम, कोई भी नया प्रोजेक्ट लाने की सोच तक नहीं

पुलिस विभाग हाउसिंग की हालत खस्ता

रायगढ़/मूक पत्रिका

बेहद अजीब बात है कि जो पुलिसकर्मी आम जनता की सुरक्षा करते हैं, उनके परिवार को आवास की सुरक्षा नहीं मिल पाती है। नाममात्र के जो आवास विभाग के पास हैं, उनमें भी आधे से अधिक कंडम पड़े हुए हैं। किसी ने भी सरकार से पुलिस हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए मांग नहीं की। रायगढ़ पुराना स्थापित जिला है। औद्योगीकरण के बाद रायगढ़ का महत्व बहुत ज्यादा बढ़ चुका है। दीगर राज्यों से एक बड़ी जनसंख्या हर साल रायगढ़ में कदम रखती है। सुरक्षा के लिहाज से भी रायगढ़ को अपग्रेड होना है। जो अमला आम आदमी की सुरक्षा में तैनात है, उसके लिए भी उतनी ही सुविधाएं होनी चाहिए। हैरानी की बात है कि इतना पुराना जिला होने के बावजूद अब तक किसी भी एसपी ने यहां के पुलिसकर्मियों के लिए हाउसिंग प्रोजेक्ट के बारे में नहीं सोचा।जिले में एडिशनल एसपी, डीएसपी, टीआई, एसआई, प्रधान आरक्षक, आरक्षक आदि मिलाकर 1258 पद स्वीकृत हैं। इसमें से जिले में 986 उपलब्ध हैं और 274 खाली हैं। मतलब 986 पुलिसकर्मियों के लिए आवास की सुविधा होनी भी अनिवार्य है। अब उपलब्ध आवासों की बात करें तो पुलिस लाइन उर्दना, पुराना पुलिस लाइन व अन्य मिलाकर 528 आवास हैं। इसमें से 294 कंडम हो चुके हैं। मतलब यहां कोई नहीं रह सकता। बचे हुए 234 आवासों में करीब 1000 पुलिसकर्मियों को रहना है। अगर आधे पुलिसकर्मियों को भी आवास देना चाहें तो भी उपलब्ध नहीं है। इसकी वजह यह है कि पिछले 20 सालों में पुलिस अमला बढऩे के बावजूद कोई आवासीय परिसर निर्माण करने की पहल नहीं की गई। जबकि इतने सालों सामान्य प्रशासन विभाग ने कई जगहों पर आवासीय परिसर विकसित कर लिए।

ग्रामीण क्षेत्र के थानों में बड़ी परेशानी- पुलिसकर्मियों को दूरस्थ थाना क्षेत्रों में बड़ी परेशानी होती है। धरमजयगढ़ में 29 आवास हैं जो कंडम हो चुके हैं। इसी तरह घरघोड़ा में 23 में से 16, तमनार में 14 में से 9, लैलूंगा में 13 में 9, कापू में 12 में से 11, खरसिया में 14 में 14, जोगी में 9 में 9 आवास कंडम हो चुके हैं। उर्दना लाइन में 162 में से 85 और पुराना पुलिस लाइन में 153 में से 74 आवास बर्बाद हो चुके हैं। कहीं भी कोई एकीकृत आवासीय परिसर का कॉन्सेप्ट लाया ही नहीं गया जहां अधिकारी और कर्मचारी वर्ग के लिए आवास बनाए जा सकें। शहर में जमीन कम होने के कारण अब आवासीय फ्लैट बनाना ज्यादा कारगर हो रहा है।

जीएडी के आवासों में पुलिस अधिकारी- रायगढ़ एसपी के लिए अलग से आवास तय है। इसके बाद किसी भी अधिकारी के लायक जिला मुख्यालय में आवास ही नहीं है। जो भी आवास हैं, उनमें एसआई, एएसआई, आरक्षक आदि रह रहे हैं। इस वजह से एडिशनल एसपी, सीएसपी, डीएसपी आदि को जीएडी के बंगले आवंटित किए गए हैं। ये आवास प्रशासनिक अधिकारियों के लिए हैं, लेकिन पुलिस विभाग के पास आवास नहीं होने की वजह से कोई विकल्प नहीं बचा है।

बेमेतरा में हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2026 की गोपनीय सामग्री का सुरक्षित वितरण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा 20 फरवरी 2026 से 18 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाली हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2026 के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण आज दिनांक 16 फरवरी 2026 को शास.बा.उ.मा.वि. बेमेतरा के माध्यम से संबंधित परीक्षा केन्द्राध्यक्षों को किया गया। गोपनीय सामग्री को सील बंद पेटियों में तैयार किया गया और सम्पूर्ण पुलिस अभिरक्षा में बसों के माध्यम से संबंधित थानों तक पहुँचाया गया। सभी परीक्षा केन्द्रों की सील बंद पेटियाँ सुरक्षित रूप से थानों में जमा कर दी गई हैं। परीक्षा समय प्रातः 9.00 बजे से 12.15 बजे तक निर्धारित है। इस वर्ष जिला बेमेतरा में कुल 77 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिनमें कक्षा 10वीं में 12,169 परीक्षार्थी और कक्षा 12वीं में 8,677 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए हैं।गोपनीय सामग्री के वितरण के दौरान श्री जी.आर. चतुर्वेदी, जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा, श्री एस.पी. कोशले, सहायक संचालक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, श्री राजकुमार वर्मा, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा, श्री मनमोहन लाल अग्रवाल, प्राचार्य शास.बा.उ.मा.वि. बेमेतरा, श्री चितरेखा ठाकुर, व्याख्याता, श्री राजेन्द्र कुमार साहू, व्याख्याता, श्री गीतेश देवांगन, व्याख्याता, श्री सुनिल कुमार बघेल, श्री डेहर लाल नागेन्द्र, सहायक ग्रेड 02, एवं छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर से प्रतिनिधि श्री अमोल रनदीव और दुर्गेश्वर राव मेश्राम उपस्थित रहे। वितरण को सुव्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने में कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा के परीक्षा कक्ष प्रभारी श्री चेतन दास बंजारे और श्री जितेन्द्र प्रकाश गोयल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सुनिश्चित प्रक्रिया से परीक्षा की गोपनीयता और पारदर्शिता बनी हुई है, जिससे परीक्षा केन्द्रों में सभी परीक्षार्थियों के लिए निष्पक्ष और सुरक्षित परीक्षा वातावरण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

ऑयल पाम बना किसानों की समृद्धि का नया आधार, राज्य सरकार दे रही अतिरिक्त अनुदान

सक्ती/मूक पत्रिका

जिले में किसानों की आय बढ़ाने एवं तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऑयल पाम (तेल पाम) की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह फसल कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन देने वाली एवं दीर्घकालीन लाभ प्रदान करने वाली फसल है। ऑयल पाम की खेती से खाद्य तेलों के आयात में कमी आएगी तथा किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। ऑयल पाम योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया जा रहा है।ऑयल पाम की खेती में प्रारंभिक लागत तथा 3 से 4 वर्ष की गर्भावस्था अवधि को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्था की है। प्रति हेक्टेयर केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा घटक रखरखाव हेतु 6750 रुपये, अंतरवर्ती फसलों के लिए 10250 रुपये, ड्रिप 22765 रुपये, फेंसिंग 54485 रुपये अनुदान दिया जाता है। दो हेक्टेयर से अधिक खेती करने पर बोरवेल खनन हेतु 50000 रुपये, पंप सेट 22500 से 27000 रुपये अनुदान दिया जा रहा है। इस प्रकार केंद्र सरकार द्वारा 1.30 लाख रुपये व राज्य सरकार द्वारा 69620 रुपये अनुदान का प्रावधान है। ऑयल पाम की खेती करने वाले कृषकों को एक बार रोपण के पश्चात चौथे वर्ष से उत्पादन मिलना शुरू हो जायेगा जो 25 से 30 वर्ष तक निरंतर जारी रहेगा। किसानों को प्राप्त उत्पाद को विक्रय करने में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी क्योंकि सरकार ने ऑयल पाम की खरीदी के लिए जिले हेतु कम्पनी गोडरेज प्राइवेट लिमिटेड से करार किया है जो सीधे किसानों से उत्पाद क्रय करेगी। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को ऑयल पाम की रोपाई, सिंचाई, उर्वरक प्रबंधन एवं देखरेख संबंधी जानकारी दी जा रही है। इच्छुक किसान अपने नजदीकी शासकीय उद्यान रोपणी व उद्यान विभाग कार्यालय में संपर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं। जिला सक्ती उद्यानिकी विभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा प्रदान कृषकों को अनुदान के साथङ्कसाथ ऑयल पाम के पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहे हैं, उन्होंने बताया कि जिले को इस वर्ष 100 हेक्टेयर लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध 25 हेक्टेयर भूमि में रोपण किया जा चुका है व रोपण कार्य निरंतर जारी है। इस प्रकार ऑयल पाम की खेती किसानों के लिए दीर्घकालीन आय का एक मजबूत माध्यम बनकर उभर रही है, जिससे किसान समृद्ध होकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहे हैं और क्षेत्र में कृषि विकास को नई दिशा मिल रही है।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिवालय में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर एवं बकावंड ब्लॉक छिन्दगाव पाथरी तोंगकोगेरा शिव मंदिरो में महाशिवरात्रि पर्व पर भक्तों की भीड़ सुबह से ही उमड़ पड़ी। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने के लिए खड़े थे। शिव मंदिर की मान्यता है कि जो भी मन्नत लेकर श्रद्धालु आते हैं, उनकी मनोकामना आते ही दर्शन करते ही पूर्ण हो जाती है। इस विशेष अवसर पर भक्त व्रत रखकर विधि-विधान से त्रिनेत्रधारी भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं।इस महापर्व को लेकर शिव मंदिर कि पूजन के लिए मंदिर को प्रतिवर्ष सजाया जाता है। सुबह से लेकर शाम तक श्रद्धालुओं के द्वारा भजन-कीर्तन और पूजार्चना किया गया। शिवरात्रि मेला इस क्षेत्र का ऐतिहासिक मेला में से एक है। रात्रि कालीन उड़िया नाटक का भी आयोजन किया जाता है महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से विशेष फल मिलता है। उन्होंने बताया कि भगवान शिव की कृपा से लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।इस अवसर पर बस्तर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक लखेश्वर बघेल ने मधोता शिव मंदिर में पहुंचकर देवो के देव महादेव का जलाभिषेक किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और उनके प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति व्यक्त की।विधायक बघेल ने कहा कि भगवान शिव की कृपा से ही क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं और भगवान शिव की कृपा से ही वे अपने इस कर्तव्य को पूरा कर पा रहे हैं। विधायक बघेल ने श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से जीवन में सुख और शांति आती है।

कृषि विज्ञान केंद्र में 'रूरल टेक्नोलॉजी सेंटर' का शुभारंभ, किसानों को मिलेगी आधुनिक तकनीक की सुविधा

कांकेर/मूक पत्रिका

किसानों को आधुनिक एवं किफायती खेती से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र कांकेर में 'रूरल टेक्नोलॉजी सेंटर' की स्थापना की गई है। केंद्र का शुभारंभ स्थानीय विधायक आशाराम नेताम एवं छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा की उपस्थिति में किया गया।इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के मार्गदर्शन में स्थापित इस केंद्र का उद्देश्य पशु चालित कृषि यंत्रों के माध्यम से खेती को सरल, सुलभ एवं लाभकारी बनाना है। केंद्र में तेंदुआ हल, पैडलर एवं बियासी हल जैसे उन्नत उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन संभव होगा। मुख्य अतिथि विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा शुरू की गई यह पहल किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने किसानों से नई तकनीकों को अपनाकर आय बढ़ाने की अपील की कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र हरिदास तायड़े ने बताया कि एक जोड़ी बैलों से 0.5 से 1 हॉर्स पावर तक शक्ति प्राप्त कर खेती के कार्यों को प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

चारामा में जुआ खिलाते खाईवाल गिरफ्तार, मोबाइल व नगदी जब्त

कांकेर/मूक पत्रिका

अपराध मुक्त समाज अभियान के तहत चारामा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जुआ खिलाने वाले एक खाईवाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक आईफोन, सट्टा-पट्टी पर्ची एवं नगद 5,350 रुपये जब्त किए गए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 15 फरवरी 2026 को पेट्रोलिंग पार्टी ग्राम चारभाठा की ओर रवाना थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम चारभाठा में एक व्यक्ति अपने कृषि फार्म में सट्टा-पट्टी लिखकर लोगों से अंकों पर रुपये-पैसे का दांव लगवा रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गवाहों की उपस्थिति में कार्रवाई की। जांच के दौरान एक व्यक्ति कृषि फार्म स्थित मकान के अंदर सट्टा-पट्टी लिखते हुए पाया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम मुकेश उर्फटकू साहू (35 वर्ष), पिता मलखम साहू, निवासी बंगला पारा चारामा, थाना चारामा जिला कांकेर बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक नग आईफोन, सट्टा-पट्टी पर्ची, एक नग पेन तथा नगद 5,350 रुपये बरामद किए गए, जिन्हें विधिवत जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 29/2026 धारा 6 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। साथ ही अंकों पर दांव लगाकर जुआ खिलाने के कारण धारा 112 बीएनएस भी जोड़ी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी जुआ अधिनियम एवं अन्य धाराओं के तहत कई प्रकरण दर्ज हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में निरीक्षक सुरेश कुमार राठौर, निरीक्षक यशवंत श्याम, स्टाफ सर्जन टीमकम दास सोने, दुशांत दीवान सहित पुलिस टीम द्वारा की गई। कांकेर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समाज में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

युवती की मौत के बाद प्रशासन की खुली नींद, विश्वास क्लीनिक को किया गया सील

सारंगढ़/मूक पत्रिका

झोला छाप डॉक्टर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। गली गली गांव गांव में क्लीनिक खोलकर गंभीर बीमारियों का इलाज करने में लगे हुए है। वहीं स्वास्थ्य विभाग जान कर भी अनजान बना हुआ है। यही वजह है कि जिले में अवैध तरीके से संचालित क्लीनिकों की बाढ़ सी गई है।मामला बिलाईगढ़ के बंगलाभाटा में चल रहे 'विश्वास क्लीनिक' का काला चिट्ठा अब जनता के सामने आ गया है। जिसे इलाज का मंदिर समझा जा रहा था, वह बिना एनओसी (हड्डष्ट) के धड़ल्ले से मौत का व्यापार कर रहा था। प्रशासन की संयुक्त टीम ने दबिश देकर इस क्लीनिक को सील कर दिया है, लेकिन पीछे छोड़ गया है कई गंभीर सवाल।जांच में पाया गया कि क्लीनिक के पास नगर पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र (हड्डष्ट) तक नहीं था। पिछले दो साल से बिना वैध कागजों के क्लीनिक चलाया जा रहा था। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, देवरबोड गांव की एक युवती की गलत इलाज के कारण मौत हो गई। हालांकि प्रशासन को लिखित शिकायत का इंतज़ार है, लेकिन धुआं वहीं उठता है जहां आग लगी होडॉक्टर नदारद, पिता के भरोसे इलाज- चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि क्लीनिक के संचालक डॉ. सौरभ विश्वास अक्सर गायब रहते थे और उनके पिता (जो कि डॉक्टर नहीं हैं) क्लीनिक की कमान संभालते थे।क्या मरीजों की जान इतनी सस्ती है? डॉ. विश्वास का 'बचाव' या 'बहानेबाजी'? ?क्लीनिक संचालक डॉ. सौरभ विश्वास ने खुद को पाक-साफ बताते हुए कहा ?÷मैंने सिर्फ गैस का इंजेक्शन दिया था। युवती को हार्ट की समस्या थी, इसलिए बाहर रेफर किया। मेरी अनुपस्थिति में क्लीनिक सील करना गलत है।÷?सवाल यह है जब क्लीनिक के पास वैध कागजात ही नहीं थे, तो वहां इंजेक्शन लगाने की हिम्मत कैसे हुई? क्या प्रशासन की यह कार्रवाई ÷देर आए दुरुस्त आए÷ वाली श्रेणी में है?प्रशासन का सख्त रुख=?एसडीएम प्रफुल्ल रजक और तहसीलदार कमलेश सिदार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई ने इलाके के अन्य अवैध क्लीनिक संचालकों में हड़कंप मचा दिया है। प्रशासन अब उस मृत युवती के मामले की भी तहकीकात कर रहा है।

अवैध उगाही पर कड़ा एक्शन की मांग, एसपी से की लिखित शिकायत

बरमकेला में फर्जी पत्रकारों के खिलाफ सरपंचों का बिगुल

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

बरमकेला ब्लॉक में सरपंचों ने अवैध उगाही और तथाकथित फर्जी पत्रकारों के खिलाफ एकजुट होकर मोर्चा खोल दिया है। सरपंच संघ बरमकेला ने पुलिस अधीक्षक, सारंगढ़ को लिखित शिकायत सौंपते हुए कड़ी कार्यवाही की मांग की है, ताकि अवैध उगाही पर रोक लगे और सच्चे पत्रकारों की छवि धूमिल न हो।बताया गया कि ग्राम पंचायत करपी में निर्माणाधीन चेक डेम कार्य के दौरान तथाकथित पत्रकार दिनेश जायसवाल और सुनील टंडन पर अवैध उगाही के गंभीर आरोप लगे हैं। इसके साथ ही अजय साहू के नाम से भी शिकायत दर्ज कराई गई है। सरपंचों का कहना है कि बाहर से आए कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ में मानसिक प्रताड़ना और धन उगाही कर रहे हैं, जिससे ग्राम पंचायतों का कामकाज प्रभावित हो रहा है।इस संवेदनशील विषय पर सरपंच संघ बरमकेला ने स्थानीय पत्रकारों को आमंत्रित कर सहमति और समर्थन भी लिया। बैठक में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के कार्यकारी जिलाध्यक्ष देवराज दीपक, जिलाध्यक्ष नरेश चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर चौहान, कबीर दास मानिकपुरी, शोभादास मानिकपुरी सहित अन्य स्थानीय पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि फर्जी पत्रकारों की वजह से निष्पक्ष और ईमानदार पत्रकारों की प्रतिष्ठा पर आंच आती है।

सरपंच संघ का स्पष्ट संदेश- जिलाध्यक्ष खगेश्वर रात्रे ने कहा,÷हम विकास कार्यों में पारदर्शिता चाहते हैं, लेकिन यदि कोई व्यक्ति पत्रकारिता की आड़ में अवैध उगाही करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन से निष्पक्ष जांच और सख्त कार्यवाही की अपेक्षा है।÷ब्लॉक अध्यक्ष मोहन पटेल ने दो टूक शब्दों में कहा,÷सरपंच जनसेवा के लिए चुने जाते हैं, उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फर्जी पत्रकारों पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।÷

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति का समर्थन- जिलाध्यक्ष नरेश चौहान ने कहा,÷पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। कुछ तथाकथित लोग इसकी गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई आवश्यक है।÷कार्यकारी जिलाध्यक्ष देवराज दीपक ने भी स्पष्ट कहा,÷हम निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता के पक्षधर हैं। जो लोग पत्रकारिता के नाम पर अवैध उगाही कर रहे हैं, वे समाज और मीडिया दोनों के लिए कलंक हैं। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे तत्वों की पहचान कर कठोर कदम उठाए, ताकि सच्चे पत्रकारों का सम्मान बना रहे।÷सरपंच संघ ने प्रशासन से मांग की है कि शिकायत पर शीघ्र जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जाए, जिससे भविष्य में कोई भी व्यक्ति पत्रकारिता की आड़ लेकर अवैध उगाही करने का दुस्साहस न कर सके।बरमकेला में उठी यह आवाज अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गई है।

साभर (जंगली हिरण) का हुआ शिकार, 6 आरोपी गिरफ्तार भेजा गया जेल

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

जिले में वन्यजीवों के अवैध शिकार के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साभर (जंगली हिरण) का शिकार करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें वन अमले ने त्वरित दबिश देकर आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा। जानकारी के मुताबिक,सारंगढ़ के रेगालमुड़ा गांव क्षेत्र के जंगल मे रेगालमुड़ा के आरोपियों ने जंगल क्षेत्र में साभर का शिकार कर उसका मांस बांटने की तैयारी कर ली थी। मौके से शिकार और शिकार में इस्तेमाल किए गए हथियार, धारदार औजार और वन्यजीव के अवशेष बरामद किए गए हैं। वन विभाग ने सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संरक्षित वन्यजीवों के शिकार पर कड़ी सजा और जुर्माने का प्रावधान है। आरोपियों से पूछताछ जारी है और इस मामले में अन्य संलिप्त लोगों की भी तलाश की जा रही है।वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के वन्यजीव शिकार की सूचना तुरंत विभाग को दें, ताकि वन संपदा और जैव विविधता की रक्षा की जा सके।

आरोपीगण - कैलाश पिता आसाराम रेगालमुड़ा-कौशल पिता आसाराम पटेल रेगालमुड़ातारा चंद पिता कैलाश पटेल रेगालमुड़ारामकुमार पिता भागीरथी पटेल रेगालमुड़ापरसराम बरिहा पिता शोभाराम बरिहा रेगालमुड़ाकार्तिकेश्वर सारथी पिता महेश राम सारथी रेगालमुड़ा

संपादकीय

रूस से तेल या अमेरिका से व्यापार की राह, भारत के नए समझौते की अग्निपरीक्षा

पिछले करीब एक वर्ष से गहन विचार-विमर्श के बाद भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर आखिरकार द्विपक्षीय सहमति बन गई है। दोनों देशों की ओर से शनिवार को इसका एलान किया गया। समझौते के नियम-शर्तों के तहत अमेरिका, भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को घटाकर अठारह फीसद करेगा। वहीं, भारत की ओर से अमेरिका की सभी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम किया जाएगा।निश्चित रूप से यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा, लेकिन नफा-नुकसान का पलड़ा किस ओर भारी रहेगा, इसको लेकर अलग-अलग विश्लेषण सामने आए हैं। ऐसे में कुछ आशंकाएं और सवाल भी उठ रहे हैं कि इस समझौते को आकार देने में अड़चन कहां थी और अब ऐसा क्या हुआ कि दोनों पक्ष इसके लिए राजी हो गए। हालांकि, इस मामले में भारतीय सत्तापक्ष की ओर से स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई है, लेकिन विपक्ष इससे सहमत नहीं है। भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित व्यापार समझौते पर पहले चरण की बातचीत शुरू की थी। कई दौर की वार्ता के बाद भी दोनों पक्षों के बीच कुछ मसलों पर आम सहमति नहीं बन पाई, जिनमें भारतीय कृषि और डेयरी बाजार में अमेरिका की पहुंच को विस्तार देने का मुद्दा भी शामिल था। दरअसल, अमेरिका शुरू से यह मांग करता रहा है कि भारतीय कृषि एवं डेयरी बाजार को उसके लिए पूरी तरह खोल दिया जाए। जबकि भारत इस मांग को खारिज करता रहा है। अब इस समझौते की जिस रूपरेखा पर सहमति बनी है, उसके मुताबिक अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों पर भारत आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा।इससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि भारत ने इस मसले पर उदार रुख अपनाकर अपने कदम आगे बढ़ाए हैं। माना जा रहा है कि समझौते के लागू होने से भारतीय बाजार में अमेरिका के कृषि उत्पादों की आवक बढ़ेगी, जिसका असर देश के किसानों पर पड़ सकता है। हालांकि, सरकार का दावा है कि देश के किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं और इस समझौते से उन्हें भी लाभ होगा। व्यापार समझौते की शर्तों में यह बात भी शामिल है कि भारत अगले पांच वर्ष में 500 अरब डालर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान एवं उसके कलपुर्जे, कीमती धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोयला खरीदेगा। साथ ही रूस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तेल खरीद बंद करनी होगी। यानी समझौते का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत इन शर्तों को पूरा कर पाता है या नहीं। इसमें दोराय नहीं कि भारतीय वस्तुओं का निर्यात, जो अमेरिकी शुल्क की वजह से प्रभावित हुआ था, वह फिर से पटरी लौट आएगा।सरकार का कहना है कि इससे तीस हजार अरब अमेरिकी डालर का बाजार खुलेगा।

कृत्रिम मेधा (एआइ) जिस तेजी से हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर कब्जा कर रही है, उसने सुविधाओं और चमत्कारों के साथ एक बुनियादी सवाल भी हमारे सामने रख दिया है। सवाल यह है कि इस तकनीकी उछाल को बनाए रखने के लिए बिजली कहां से आएगी? एआइ अब किसी मोबाइल ऐप या 'चैटबाट' तक सीमित नहीं रही। वह अस्पतालों में उपचार को समझने से लेकर समाधान में सहयोग दे रही है। दफ्तरों में निगरानी का यह औजार बन चुकी है। यहां तक कि सरकारी नीतियों की दिशा तय करने में शामिल हो रही है। स्थिति यह है कि आने वाले वर्षों में रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा की शक्ल बदलने वाली है। मगर जिस 'स्मार्ट भविष्य' का वादा किया जा रहा है, उसकी बुनियाद ऊर्जा पर टिकी है। आज वही सबसे कमजोर कड़ी बनती जा रही है।दरअसल, एआइ की असली ताकत बड़े-बड़े डेटा केंद्र हैं। ये ऐसे 'बिजलीखोर' कारखाने हैं जो चौबीस घंटे चलते हैं। इसके लिए हजारों कंप्यूटर, लगातार गणना, और उन्हें ठंडा रखने के लिए बेहिसाब पानी और बिजली चाहिए। आज एक बड़ा डेटा केंद्र उतनी बिजली खा जाता है जितना कि एक छोटा शहर।

जब एआई की भूख धरती से टकराई, क्या डेटा सेंटर अब अंतरिक्ष की ओर भागेंगे?

(विजन कुमार पांडेय)

भारत में, जहां बिजली और पानी पहले ही सीमित संसाधन हैं, यह दबाव और गंभीर हो जाता है। विडंबना यह है कि जिस एआइ को भविष्य की हर समस्या का समाधान बताया जा रहा है, वह खुद पर्यावरण और ऊर्जा संकट को गहरा कर रहा है। ज्यादातर डेटा केंद्र आज भी कोयला, गैस और तेल से बनी बिजली पर चलते हैं। यानी एआइ जितना 'स्मार्ट' बन रहा है, उतना ही कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा रहा है। ऐसे में यह सवाल बिल्कुल जायज है कि क्या हम एक समस्या हल करने के प्रयास में, दूसरी बड़ी समस्या तो नहीं पैदा कर रहे?

जब जमीन पर बने डेटा केंद्र बिजली और पानी इस कदर गटकने लगे तो कई गंभीर सवाल उठे। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने चौंकाने वाला एक विचार उछाल दिया। इन्हें धरती से हटा कर अंतरिक्ष में भेज दिया जाए। दलील है कि वहां सूरज चौबीस घंटे चमकता है, तो सोलर पैनल लगातार बिजली देंगे। ऐसे में न मौसम की मार होगी, न पानी की जरूरत। यह सारी परेशानियों का जादुई हल लगता है, लेकिन सच तो यह है कि यह समाधान नहीं, बल्कि पलायन है। बड़ी कंपनियां इस दिशा में सोच रही हैं। इसरो भी इस पर अध्ययन कर रहा है। सवाल यह नहीं कि डेटा केंद्र कहां रखें, बल्कि यह है कि बिजली की उनकी बेलगाम भूख को कौन रोकेगा।

गूगल का 'प्रोजेक्ट सन कैचर' इसी सोच पर आधारित है कि अगर उपग्रहों को बेहद सधे और समन्वित ढंग से एक समूह में चलाया जाए, तो एआइ से जुड़ा भारी गणनात्मक कार्य अंतरिक्ष में ही किया जा सकता है और धरती तक केवल जरूरी नतीजे ही भेजे जाएं। ठीक वैसे, जैसे मोबाइल पर हम सवाल पूछते हैं, लेकिन गणना कहीं और होती है। मगर यह रास्ता आसान नहीं है, क्योंकि अंतरिक्ष का विकिरण कंप्यूटर चिप्स को नुकसान पहुंचा सकता है। मगर गूगल का दावा है कि उसकी एआइ चिप्स ने अब तक के परीक्षणों में कहीं ज्यादा विकिरण झेली है, फिर भी उसने सही ढंग से काम किया है। हालांकि प्रयोगशाला की सफलता और हकीकत के बीच अब भी बड़ा फासला है।

दरअसल, डेटा केंद्र को हर समय देखभाल और मरम्मत चाहिए। धरती पर मशीन खराब हो जाए, तो इंजीनियर जाकर ठीक कर देता है, लेकिन अंतरिक्ष में यह न आसान होगा, न सस्ता। एक बार मशीन ऊपर भेज दी गई, तो उसे बदलना या सुधारना बहुत महंगा पड़ेगा। धरती पर मशीनों को ठंडा रखने की व्यवस्था की जाती हैं। अंतरिक्ष में हवा नहीं होती, इसलिए वहां गर्मी को बाहर निकालना बहुत मुश्किल होगा। जबकि सूरज की तेज गर्मी लगातार पड़ती रहेगी। अंतरिक्ष में डेटा

केंद्र तभी संभव होंगे जब उनकी कुल लागत शोध, उपग्रह भेजने, खराब मशीनों को बदलने काम धरती पर बने केंद्रों से ज्यादा महंगी न पड़े। ऐसे प्रयोग हमेशा सफल नहीं होते। इसके पहले माइक्रोसाफ्ट ने समुद्र के नीचे डेटा केंद्र बनाने का प्रयोग किया था, ताकि ठंड की समस्या हल हो सके। शुरुआत में यह प्रयोग काफी उम्मीद जगाने वाला था, लेकिन अंत में कंपनी ने इसे छोड़ दिया। इससे यह साफ होता है कि हर नई तकनीक अंततः व्यावहारिक साबित हो, यह जरूरी नहीं। कुछ साल पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा कि स्टारलिंक जैसे उपग्रह इतने बड़े पैमाने पर काम कर पाएंगे। आज वे दुनिया के कई हिस्सों में इंटरनेट दे रहे हैं। इसलिए अंतरिक्ष डेटा केंद्र के विचार को पूरी तरह नकारना भी जल्दबाजी होगी। लेकिन सच तो यह है कि यह कोई समाधान नहीं, बल्कि बचने का एक रास्ता है।

असल सवाल यह नहीं है कि डेटा केंद्र बेतहाशा बढ़ क्यों रहे हैं? गांवों-कस्बों में लोग बिजली कटौती झेल रहे हैं, खेतों के लिए पानी नहीं मिल रहा और शहरों में मशीनें चौबीस घंटे बिजली फूंक रही हैं। ऐसे में उन्हें आसमान में भेज देने से समस्या खत्म नहीं होगी, बस नजर से ओझल हो जाएगी। धरती पर पैदा की गई मुसीबत का जवाब अगर अंतरिक्ष में ढूंढ़ा जाएगा, तो यह तरक्की नहीं, जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना ही कहलाएगा। जब तक एआइ की ऊर्जा भूख को काबू में करने की ईमानदार कोशिश नहीं होगी, तब तक 'स्मार्ट भविष्य' आम लोगों के लिए राहत नहीं, बल्कि एक और बोझ ही साबित होगा।

आज भी किसी मशीन को अंतरिक्ष में भेजना बेहद महंगा है। डेटा केंद्र कोई छोटा उपग्रह नहीं, बल्कि भारी और जटिल ढांचे होते हैं, जिन्हें लगातार मरम्मत चाहिए। विकिरण और तापमान से बचाने के लिए अलग तकनीक चाहिए, यानी अरबों-खरबों का निवेश। ऐसे में सवाल यह है कि इसकी कीमत कौन चुकाएगा, जनता, उपभोक्ता या सरकार? दूसरा बड़ा सवाल सुरक्षा का है। धरती पर 'सर्वर' खराब हो, तो उसे ठीक किया जा सकता है। अंतरिक्ष में हर खराबी जोखिम बन जाती है। ऊपर पहले से ही मलबा भरा है। ऐसे में विशाल डेटा केंद्र भी टकराव का खतरा बनेंगे और फिर एक हादसे से पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है।

तीसरा और सबसे जरूरी सवाल आम आदमी का है। इससे उसकी बिजली सस्ती होगी या बिल और बढ़ेंगे? पर्यावरण बचेगा या अंतरिक्ष भी कंपनियों की प्रयोगशाला बन जाएगा? डर यह है कि अंतरिक्ष में डेटा केंद्र का मतलब होगा- कुछ गिने-चुने हाथों में और ज्यादा ताकत तथा आम लोगों से और दूरी।

असल सवाल यह नहीं है कि डेटा केंद्र अंतरिक्ष में बनाए जा सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि हम धरती पर गलत तकनीकी आदतें सुधारना चाहते हैं या नहीं। एआइ को कम बिजली पर चलने वाला बनाना, बेहतर चिप विकसित करना और सौर-पवन जैसी ऊर्जा अपनाना कहीं अधिक व्यावहारिक रास्ता है। एआइ इंसान की बनाई तकनीक है, जिसकी रफ्तार और सीमा तय करना हमारे ही हाथ में है। अगर हर नया माडल पहले से कई गुना अधिक बिजली मांगता है, तो यह तरक्की नहीं, चेतावनी है। अंतरिक्ष में डेटा केंद्र का विचार इसी चेतावनी का संकेत है कि संतुलन न बना, तो भविष्य महंगा और जोखिम भरा होगा। दरअसल, एआइ की तेज होती रफ्तार अब धरती की सीमाओं से टकराने लगी है। बिजली, पानी और पर्यावरण पर बढ़ता दबाव बड़ी तकनीकी कंपनियों को अंतरिक्ष की ओर देखने के लिए मजबूर कर रहा है। अंतरिक्ष में डेटा केंद्र का विचार इसी बेचैनी की उपज है। यह तकनीकी कल्पना जितनी आकर्षक दिखती है, उतने ही गहरे सवाल भी खड़े करती है- लागत, सुरक्षा और नियंत्रण का। असली चुनौती यह है कि एआइ की बढ़ती ऊर्जा भूख पर लगाम कैसे लगे। अगर तकनीक आम लोगों की जिंदगी आसान करने के बजाय संसाधनों पर बोझ बनने लगे, तो दिशा पर फिर से सोचने की जरूरत है। ऐसे में भविष्य आसमान में नहीं, समझदारी में छिपा है।

नींद जिसे हम गंवाना समझते हैं, वही है सेहत की असली दौलत

(सरस्वती रमेश)

प्रकृति प्रदत्त नेमतों की कोई कीमत नहीं। वे अनमोल होती हैं। अब नींद को ही देखा जाए। हमारे आसपास ऐसे लोग आम हैं, जिनकी नजर में सोना वक्त गंवाना है। 'जो लोग सोते हैं, वे खोते हैं', इस आशय से कई कहावतें और उक्तियां भी हैं। अगर कोई व्यक्ति सोता हुआ दिख जाता है, तो उसे उसके बिगड़े हुए काम का कारण बताया जाता है। कुछ स्थितियों में यह सच भी हो सकता है। एक गरीब आदमी को नींद की जितनी जरूरत होती है, उतनी ही उन्हें भी, जिनके घरों में रुपए बोरियों में भरे हुए हैं। भोजन पानी की तरह नींद भी दुनिया में रहने वाले हर शख्स की जरूरत है। नवजात बच्चे जितना ज्यादा सोते हैं, उतनी ही तेजी से बढ़ते हैं। बच्चे ही क्यों, बड़ों को भी नींद की उतनी ही जरूरत होती है। अब सवाल यह उठता है कि हमें नींद की जरूरत पड़ती क्यों है।

सोना जितना दिमाग के लिए जरूरी होता है, उतना शरीर के लिए भी। आमतौर पर हमें लगता है कि जब हम सो जाते हैं, तो हमारा दिमाग भी थककर सो जाता होगा। मगर ऐसा नहीं है। सोते समय हमारा दिमाग जीने के लिए जरूरी कई क्रियाकलापों में लग जाता है। एक तरह से कह सकते हैं कि हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के काम में सीधे तौर पर जुट जाता है, जो हमारे जागते हुए दिमाग के लिए करना संभव नहीं होता है।

इसे इस उदाहरण से समझ सकते हैं। अगर हमने कभी रात को अपनी नींद खराब की होगी, यानी किसी वजह से हम रात को सो नहीं पाए होंगे, तो अगले दिन अजीब-सी थकान या तनाव का अहसास होता है। काम करने में भी दिमाग का भरपूर इस्तेमाल नहीं हो पाता।

इसकी वजह यह है कि नींद का हमारे दिमाग की कार्यक्षमता से संबंध होता है। नींद दिमाग के काम करने के तरीके पर असर डालती है। दिमाग को लचीलेपन यानी संकेतों के हिसाब से ढलने की क्षमता के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। अगर हम बहुत कम सोते हैं, तो दिन में सीखी हुई चीजों को अपने भीतर स्थिर नहीं कर पाते और भविष्य में उन्हें याद रखने में ज्यादा दिक्कत होती है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद दिमाग की कोशिकाओं से बेकार चीजों को हटाने में मदद करती है। जब दिमाग क्रियाशील होता है, यानी हम जाग रहे होते हैं, तो यह काम उतनी कुशलता से नहीं हो पाता है, लेकिन सोने के बाद दिमाग पर से अतिरिक्त भार खत्म हो जाता है और वह खुद को व्यवस्थित करने की क्रिया में जुट जाता है।

दिमाग के अलावा नींद बाकी शरीर के लिए भी बहुत जरूरी है। जब लोगों को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो तरह-तरह की बीमारियां पकड़ने के खतरे बढ़ जाते हैं। अवसाद, दौरे, उच्च रक्तचाप और सिरदर्द के लक्षण और बढ़ने लगते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे बीमारी और संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।

नींद चयापचय में भी भूमिका निभाती है। यह जानकर हैरानी होगी कि एक रात की नींद छूटने से भी एक स्वस्थ व्यक्ति में मधुमेह-पूर्व की स्थिति बन सकती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जब हम सोते हैं, तब हमारा दिमाग दो अलग-अलग तरह की नींद लेता है। आरइएम (रैपिड-आइ मूवमेंट) नींद और गैर-आरईएम नींद। नींद की प्रक्रिया का पहला हिस्सा नान-आरईएम नींद है, जिसके चार स्तर होते हैं। पहला स्तर जागने और सोने के बीच का होता है।

दूसरा हल्की नींद होती है, जब दिल की धड़कन और सांस लेने की गति नियमित हो जाती है और शरीर का तापमान कम हो जाता है। तीसरे और चौथे स्तर में गहरी नींद होती है। पहले यह माना जाता था कि आरईएम नींद सीखने और याददाश्त के लिए सबसे जरूरी नींद का चरण है, लेकिन नए आंकड़ों से पता चला है कि गैर-आरईएम नींद इन कामों के लिए ज्यादा जरूरी है। यह नींद शरीर को अधिक आराम पहुंचाने वाली होती है। यह चक्र चलता रहता है, लेकिन हर चक्र के साथ हम नींद के गहरे स्तर तीन और चार में कम समय और आरईएम नींद में ज्यादा समय बिताते हैं। एक रात में हम चार या पांच बार इस चक्र से गुजरते हैं। नींद का विज्ञान कुछ भी कहे। लेकिन हमारा अनुभव यह कहता है कि अच्छी नींद हमारे स्वस्थ रहने की कुंजी है।

इसलिए कुछ भी हो जाए, नींद से समझौता नहीं होना चाहिए। नींद का चक्र अगर बाधित होता है, तो यह हमारी सेहत और व्यक्तित्व को बाधित कर दे सकता है।

विश्व व्यापार में भारत की छलांग, पर जमीन पर बढ़ रही हैं कई चुनौतियां

दुनिया भर में विकसित देशों के लिए भारत एक विशाल उपभोक्ता बाजार, निवेश का भरोसेमंद ठिकाना और रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख केंद्र है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने यह समझा है कि भारत की अर्थव्यवस्था में निवेश की बहुत संभावनाएं हैं। इन देशों के लिए भारत का सबसे बड़ा आकर्षण इसका विशाल मध्यम वर्ग, बढ़ती खपत क्षमता और युवा आबादी है, जो आटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल सेवाओं की मांग को लगातार बढ़ा रही है।

(ब्रह्मदीप अलूने)

दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजारों में शामिल भारत की कम लागत वाली कुशल श्रमशक्ति और विशाल बाजार पूंजीवादी शक्तियों की आर्थिक महत्त्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करने के लिए मुफीद नजर आते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर शुल्क कम करने की अचानक घोषणा ने सबको चमत्कृत किया है, वहीं अमेरिकी प्रशासन को चुनौती देकर यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता अभूतपूर्व माना जा रहा है। भारत को यह उम्मीद है कि विकसित देशों के साथ व्यापार से दीर्घकालिक लाभ होंगे। अमेरिका और यूरोप में क्रय-शक्ति अधिक है और वे गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए ऊंची कीमत देने को तैयार रहते हैं।

इससे भारत के दवा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, कपड़ा उद्योग, वाहन पुर्जे, इंजीनियरिंग सामान, रत्न तथा आभूषण और कृषि-प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों को विस्तार मिल सकता है। विकसित देशों के साथ व्यापार और समझौते भारत में विदेशी निवेश बढ़ा सकते हैं, जिससे उत्पादन क्षमता, रोजगार और आधुनिक तकनीक का हस्तांतरण संभव होता है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका मजबूत कर सकता है।

विकसित देशों की मजबूत अर्थव्यवस्थाओं और पूंजीवादी समाज के साथ कदमताल मिलाते भारत के विकासशील समाज के लिए चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विकसित देश यानी पूंजी, तकनीक, प्रति व्यक्ति आय, बचत, निवेश और नागरिकों के रहन-सहन जैसी विशेषताओं में उच्च स्तर और मजबूत अर्थव्यवस्था। जबकि विकासशील देशों में प्रति व्यक्ति आय कम होती है, राष्ट्रीय आय के अनुपात में बचत और निवेश का निम्न स्तर होता है।

अधिक जनसंख्या होती है, लेकिन वह कम कार्यकुशल होती है। पूंजी निर्माण की दर कम तथा आयात की मात्रा अधिक रहती है। इन देशों में पूंजी और तकनीकी का आमतौर पर दूसरे देशों से आयात होता है। विकासशील देशों में जनसंख्या का अधिकांश भाग कृषि में संलग्न रहता है, फिर भी उत्पादन देश की आवश्यकता से कम बना रहता है।

विकसित देशों को कच्चा माल, श्रम-आधारित उत्पाद चाहिए, जबकि विकासशील देशों को पूंजी, तकनीक, मशीनें और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद चाहिए। इसलिए दोनों का व्यापार अक्सर जरूरतों की पूर्ति पर आधारित होता है। ऐसे में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना भविष्य में आर्थिक अवसरों के साथ कुछ रणनीतिक जोखिम भी पैदा कर सकता है।

विकसित देशों की कंपनियां, तकनीक, पूंजी और ब्रांड के दम पर भारतीय बाजार में तेजी से प्रवेश करेंगी, जिससे छोटे किसान और घरेलू उद्योग दबाव में आ सकते हैं। सस्ते आयात से व्यापार घाटा बढ़ने, स्थानीय उत्पादन कमजोर होने और रोजगार पर असर का खतरा भी रहेगा। इसके अलावा, पेटेंट, डेटा, पर्यावरण और श्रम मानकों जैसी शर्तें भारत की आर्थिक और राजनीतिक निर्णय की स्वतंत्रता सीमित कर सकती हैं।

बीते चार दशकों में भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। इसमें विश्व व्यापार संगठन की नीतियों का भी बड़ा और सकारात्मक

लाभ मिला है। वर्ष 1995 में विश्व व्यापार संगठन की स्थापना के बाद वैश्विक व्यापार नियमों में एकरूपता आई, व्यापार बाधाएं कम हुईं और विभिन्न देशों के बीच बाजार तक पहुंच आसान बनी।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह अवसर था कि वह अपनी आर्थिक क्षमता, श्रमशक्ति और सेवा क्षेत्र की ताकत के आधार पर वैश्विक मंच पर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाए। विश्व व्यापार संगठन ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में विकसित देशों के कब्जे को रोकने के लिए अनुचित सबसिडी, डंपिंग और व्यापार बाधाओं पर नियम बनाए। इसका लाभ भारत जैसे विकासशील देश को निर्यात विस्तार के रूप में मिला।

विश्व व्यापार के तहत आयात शुल्क घटाने और व्यापार को अधिक पारदर्शी बनाने की प्रक्रिया ने भारतीय उत्पादों के लिए नए बाजार खोले। विश्व व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार समझौते वैश्विक व्यापार को बढ़ाने की बात करते हैं, लेकिन इनके स्वरूप, उद्देश्य और प्रभाव में मूलभूत अंतर है। यही अंतर विकसित और विकासशील देशों के बीच व्यापार संबंधों में एक प्रकार का विरोधाभास पैदा करता है। विश्व व्यापार संगठन एक बहुपक्षीय संस्था है, जो नियम आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था को स्थापित करती है, जबकि मुक्त व्यापार समझौता चुनिंदा देशों के बीच विशेष रियायतों और शर्तों पर आधारित क्षेत्रीय या द्विपक्षीय व्यवस्था है। इस कारण विकसित देशों और विकासशील देशों के बीच व्यापार में समानता से कहीं ज्यादा असंतुलन बढ़ता दिखाई देता है। दूसरी ओर, मुक्त व्यापार समझौते बिल्कुल अलग हैं। मुक्त व्यापार समझौते में कुछ देश आपस में शुल्क घटाकर या समाप्त करके व्यापार को तेज करते हैं। विकसित देशों के लिए मुक्त व्यापार समझौते अक्सर एक रणनीतिक हथियार बन जाते हैं। वे विश्व व्यापार संगठन में जब व्यापक सहमति नहीं बना पाते, तब मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से अपने हितों को आगे बढ़ाते हैं। विकसित देश मुक्त व्यापार के नाम पर केवल शुल्क घटाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पेटेंट नियम, डेटा स्थानीयकरण पर रोक, श्रम और पर्यावरण मानकों की कठोर शर्तें, सरकारी खरीद में विदेशी कंपनियों को अवसर तथा निवेश विवाद निपटान जैसी शर्तें जोड़ देते हैं। इन शर्तों का असर यह होता है कि विकासशील देशों की आर्थिक नीतियों को लेकर स्वतंत्रता सीमित होने लगती है। पूंजीवादी शक्तियों का प्रभाव राजनीतिक रूप से भी पड़ने की संभावना बढ़ जाती है और यह स्थिति भारत जैसे विकासशील और लोकतांत्रिक देश की चुनौतियां बढ़ा सकती है। व्यापार को लेकर नए समझौतों से अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में भारत की पहुंच बढ़ने से निर्यात में वृद्धि होगी, विदेशी निवेश और तकनीक हस्तांतरण के अवसर भी मिलेंगे। वहीं विकसित देशों की विशाल कंपनियां कम शुल्क के साथ घरेलू बाजार में प्रवेश करेंगी, तो भारत के छोटे और मध्यम वर्ग के उद्योग तथा कृषि क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है। दरअसल, विकसित देश नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था की बात करते हुए भी अपने हितों के लिए क्षेत्रीय समझौतों का सहारा लेते हैं। भारत और विकसित देशों की प्राथमिकताओं में गहरा अंतर है। भारत की मुख्य चिंता गरीबी घटाना, रोजगार बढ़ाना, कृषि और ग्रामीण विकास, सस्ती शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक न्याय की स्थापना है। वहीं विकसित देशों की प्राथमिकताएं उच्च जीवन-स्तर, तकनीकी नवाचार, पर्यावरण मानक, कड़े श्रम नियम और बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा से जुड़ी हैं। जाहिर है, भारत और विकसित देशों की नीतियां और दृष्टिकोण अलग-अलग हैं। इसलिए भारत के लिए जरूरी है कि वह मुक्त व्यापार को सुरक्षा-कवच, चरणबद्ध उदारीकरण और घरेलू क्षमता-वृद्धि के साथ संतुलित रूप में लागू करे। भारत के स्थायी विकास के लिए रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास, उद्योगों का विस्तार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक सुधार अत्यंत आवश्यक हैं। इन्हीं आधारों पर देश की आर्थिक मजबूती, सामाजिक संतुलन और दीर्घकालिक प्रगति सुनिश्चित की जा सकती है।

स्वास्थ्य विभाग मेहरबान या लापरवाह

बिना रजिस्ट्रेशन धड़ल्ले से संचलित हो रहे है अवैध क्लिनिक

रायगढ/मूक पत्रिका

झोला छाप डॉक्टर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। गांव गांव में क्लीनिक खोलकर गंभीर बीमारियों का इलाज करने में लगे हुए है। वहीं स्वास्थ्य विभाग जान कर भी अनजान बना हुआ है। यही वजह है कि जिले में अवैध तरीके से संचालित क्लीनिकों की बाढ़ सी गई है। जिले के सभी ब्लाकों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शासन ने स्थापित किए हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का इलाज करने के लिए उपलब्ध है साथ ही निः शुल्क दवा की भी व्यवस्था है। मगर जिला प्रशासन के अस्पतालों में लोग इलाज कराने की बजाय झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करा रहे हैं। मौसमी बीमारी की शिकायत अभी बढ़ गई है। डिग्री लेने वाले एमबीबीएस डॉक्टरों के यहां जितनी भीड़ नहीं होती है उससे कहीं ज्यादा झोलाछाप डॉक्टरों के यहां लाइन देखने को मिल रही है। खास कर ग्रामीण इलाकों में लोगों अज्ञानता की वजह से इनसे इलाज करवाने में लगे है।रजिस्ट्रेशन और डिग्री के दस्तावेजों का सत्यापन कराने स्वास्थ्य महकमा बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। बिना रजिस्ट्रेशन के झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इससे मरीजों की जान भी जा सकती है। यही नहीं, झोलाछाप डॉक्टर अपने क्लीनिक पर आने वाले मरीजों का एक बार जब इलाज शुरू करते हैं तो दूसरे क्लीनिक में जाने भी नहीं देते। बार बार इलाज करने से ठीक नहीं होने के बाद भी मरीज अपनी जान के साथ खिलवाड़ करते रहते हैं और इन्हीं के भरोसे रहते हैं। मलेरिया, ब्लड शुगर, टायफायड, प्रेगनेंसी और ब्लड प्रेशर की जांच करने में भी झोलाछाप डॉक्टर पीछे नहीं रहते। जबकि इनके पास इन बीमारियों की इलाज के लिए संसाधन भी उपलब्ध नहीं रहता। साथ ही ये बीमारियां बहुत ही खतरनाक होते हैं। जरा सी लापरवाही मरीज का जान छीन सकती है। बावजूद मरीज झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जाता है। रायगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले कई ग्राम पंचायत तिलगा, भागोरा, पतरापाली, जुनवानी, टारपाली, कोरियादादर जामगाँव, कोतरलिया कई ग्राम पंचायत जहा झोलाछाप डॉ. अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन कर रहे है

विभाग नहीं कर रहा है कोई कार्रवाई

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बैठक में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्णय लिए जाते हैं तथा बैठक में विभाग के अलग अलग शाखा के अधिकारियों की टीम गठित कर कार्रवाई को अंजाम देने के लिए रणनीति बनाई जा रही है। बैठक में मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले तथा निवारक दवाओं की पुड़िया थमाने वाले फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए विभाग द्वारा टीम गठित किया गया था। लेकिन हाल ही में यह टीम क्षेत्र में नाकारा साबित हो रही है। यह झोलाछाप चिकित्सक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी दवाओं के साथ प्रेक्टिस करने वाले डॉक्टर की डिग्री दवाइयां का रजिस्ट्रेशन लेकर धड़ल्ले से काम रहे हैं। वहीं चिकित्सा विभाग द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

ग्राम पंचायत गुधेली की सीमा निषाद बनीं लखपति दीदी, मछली पालन से बदल गई जीवन की कहानी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत गुधेली की रहने वाली सीमा निषाद, जिन्होंने मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर न केवल अपने जीवन को बदला बल्कि अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बन गई हैं। सीमा दीदी ÷मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह÷ की सदस्य बनकर 2020 में अपने सशक्तिकरण की यात्रा शुरू की। समूह में शामिल होने से पहले दीदी पारंपरिक मजदूरी करती थीं और जीवन के आर्थिक संकट से जूझ रही थीं। लेकिन समूह के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के बाद दीदी ने अपने व्यवसायिक कौशल और नेतृत्व क्षमता को निखारा और नए अवसरों की तलाश शुरू की।

मछली पालन से सशक्तिकरण की कहानी-दीदी ने ग्राम पंचायत में मछली पालन के लिए अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके बाद ऋद्ध/ष्टद्बद्ध के माध्यम से ग्राम पंचायत का तालाब किराए पर लिया और मछली पालन के लिए लोन प्राप्त कर तालाब में बीज डाले। मत्स्य विभाग से आवश्यक जाल और उपकरण प्राप्त करने के बाद दीदी ने मेहनत और लगन के साथ अपने तालाब में मछली पालन शुरू किया। दीदी ने अपनी सफलता को और बढ़ाते हुए तीसरी बार लोन लेकर अपने खुद के डबरी का निर्माण किया और उसका मछली पालन शुरू किया। अब दीदी का सालाना आय 3 से 4 लाख रुपए तक पहुँच गई है।

परिवार और समाज पर असर-सीमा दीदी न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में सफल हुई हैं, बल्कि अपने परिवार को बेहतर जीवन देने में भी सक्षम हुई। उनका सशक्तिकरण अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। दीदी अब सरपंच के पद पर भी हैं और अपने अनुभव के माध्यम से अन्य ग्रामीणों और महिलाओं को सशक्त बनने और स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए जागरूक कर रही हैं। दीदी की कहानी इस बात का उदाहरण है कि कैसे महिला सशक्तिकरण, समूह सहयोग और स्वयं सहायता के माध्यम से गरीब और मेहनती महिलाओं की जिंदगी बदल सकती है। सीमा दीदी की मेहनत, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि सफलता केवल बड़े शहरों या पूंजीपतियों के लिए नहीं है। सही योजना, समर्थन और लगन के साथ कोई भी महिला आर्थिक स्वतंत्रता हासिल कर सकती है और अपने समुदाय के लिए प्रेरणा बन सकती है। आज दीदी अपने गृहस्थ जीवन और ग्राम पंचायत दोनों में सम्मान और सफलता की मिसाल बन चुकी हैं। उनका यह सफर अन्य महिलाओं के लिए एक प्रेरक कहानी बन गया है, जो महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार के महत्व को उजागर करता है।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया महा शिवरात्रि पर्व

नेगानार शिवालय में भंडारा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और उमड़ा आस्था का सैलाब

बस्तर/बकावंड/मूक पत्रिका

श्रद्धा, आस्था और भक्ति के महापर्व महा शिवरात्रि का आयोजन इस वर्ष 15 फरवरी 2026, रविवार को पूरे देश में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में भी जगह - जगह शिव मंदिरों में शिवभक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला, जहाँ शिवालयों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही।

,,नेगानार शिवालय बना आस्था का केंद्र,,बकावंड विकासखंड अंतर्गत ग्राम नेगानार स्थित घेंगरा मुंडा के समीप प्राचीन शिवालय में महा शिवरात्रि पर्व को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य और गरिमामय रूप से मनाया गया। यह शिवालय क्षेत्र का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माना जाता है, जहाँ पर्व के अवसर पर दूर-दराज़ के ग्रामीण अंचलों से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुँचे।

,,धार्मिक अनुष्ठान, मेला और रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम,, इस आयोजन का सफल संचालन शिव शक्ति समिति नेगानार के युवाओं द्वारा किया गया। समिति की ओर से विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ मेला, भंडारा एवं रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

भक्तों के मनोरंजन और आध्यात्मिक भाव को सुदृढ़ करने हेतु भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देर रात तक चलती रहीं।

,,एक दिन पूर्व से शुरू हुई तैयारियाँ, दिखा उत्सव का माहौल,,महा शिवरात्रि से एक दिन पूर्व ही मेले की तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई थीं, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण बन गया। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी शिवालय में दर्शन हेतु पहुँचे।श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भंडारे एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई थी। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के लिए बस्तर पुलिस द्वारा विशेष इंतज़ाम किए गए।

,,दूध, बेलपत्र और गंगाजल से हुआ अभिषेक,,पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का दूध, दही, शहद, बेलपत्र एवं गंगाजल से विधिवत अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। अनेक भक्तों ने उपवास रखकर रात्रि जागरण किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

,,दिनभर शिवालयों में रुद्राभिषेक, विशेष पूजन एवं भजन-कीर्तन के कार्यक्रम चलते रहे।,,

आत्मिक शुद्धि और साधना का पर्व है महा शिवरात्रि-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महा शिवरात्रि आत्मिक शुद्धि, संयम और साधना का पर्व है। मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से की गई शिव आराधना से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं।इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्र के दानदाताओं का विशेष योगदान रहा। शिव शक्ति समिति नेगानार ने समस्त सहयोगकर्ताओं एवं दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भगवान शिव से उनके सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। समिति ने यह भी आशा जताई कि आने वाले वर्षों में भी इसी श्रद्धा और उत्साह के साथ महा शिवरात्रि पर्व मनाया जाता रहेगा।

लोन के नाम पर पांच लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

सिटी कोतवाली कांकेर पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी छबीलाल मंडावी (52 वर्ष), निवासी अलबेलापारा कांकेर ने 14 फरवरी 2026 को थाना सिटी कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2025 में उन्होंने एचडीएफसी बैंक कांकेर में पर्सनल लोन के लिए आवेदन किया था। इसी दौरान बैंक कर्मचारी होने का झांसा देकर लक्ष्मण साहू, निवासी बरदेभाटा थाना कांकेर ने उनके मोबाइल में लोन ऐप डाउनलोड कराया। जांच में पता चला कि 6,39,456 रुपये का लोन स्वीकृत कर राशि प्रार्थी के खाते में जमा की गई, जिसे आरोपी ने 9 फरवरी 2026 को 2,09,000 रुपये एवं 10 फरवरी 2026 को 3,70,054 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर कुल पांच लाख रुपये की धोखाधड़ी की। प्रकरण में अपराध क्रमांक 64/26 धारा 318(4), 316(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की गई। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 15 फरवरी 2026 को आरोपी को गिरफ्तार किया।सम्पूर्ण कार्यवाही में पुलिस टीम निरीक्षक जितेन्द्र कुमार साहू, उप.निरी. सुरेन्द्र मानिकपुरी, मनोरथ जोशी, आर. दयानंद कुंजाम, ईश्वर साहू।कांकेर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि लोन या बैंकिंग संबंधी किसी भी प्रक्रिया में सतर्कता बरतें तथा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

मतदाता सूची में विसंगतियों के निराकरण हेतु निर्देश जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य म के अंतर्गत मतदान केन्द्रों के युक्ति युक्त करण के पश्चात विधानसभा निर्वाचन नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को मतदान केन्द्रवार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त सूची वार्डवार पृथक रूप से तैयार नहीं की गई है, बल्कि वर्ष 2025 की मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाताओं द्वारा दस्तावेज सहित भरे गए गणना प्रपत्र एवं सत्यापन उपरांत इसे प्रकाशित किया गया है। इसकी प्रति जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उपलब्ध करा दी गई है। साथ ही 22 जनवरी 2026 तक मतदान केन्द्रों में दावा-आपत्ति प्राप्त की गई है। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि यदि मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य विवरणों को लेकर किसी प्रकार की त्रुटि, दावा या आपत्ति हो तो आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित प्रपत्र (6, 7, 8) में संबंधित BLO/ERO/AERO कार्यालय में अथवा ऑनलाइन पोर्टल voters.eci.gov.in/VHA के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त संदर्भ में प्राप्त शिकायत के परीक्षण उपरांत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने नागरिकों से जागरूक रहकर मतदाता सूची के सत्यापन में सहयोग करने की अपील की है।

जिला स्तरीय जनसंवाद /श्रमिक सम्मेलन का आयोजन दिनांक 18 फरवरी 2026 को

बेमेतरा (माननीय श्रममंत्री छत्तीसगढ़, शासन श्रम विभाग के द्वारा दिनांक 12 फरवरी 2026 को श्रम विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान 05 जिलो में विभाग द्वारा जनसंवाद /श्रमिक सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया गया। उक्त संबंध मे दिनांक 18 फरवरी 2026 को जिला पंचायत बेमेतरा के प्रांगण में जिला स्तरीय जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल एवं असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत श्रमिको से जनसंवाद/श्रमिक सम्मेलन के माध्यम से श्रमिक के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की राशि का भुगतान एवं श्रमिकों को योजना के संबंध में जानकारी प्रदान किया जावेगा।

जिला कलेक्ट्रेट में महाशिवरात्रि पर भव्य रुद्राभिषेक और भंडारा आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के संयुक्त जिला कार्यालय एवं कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना और भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में जिले के विभिन्न अधिकारी-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान शिव की उपासना में लीन हुए। महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। विशेष अवकाश होने के कारण आज भंडारा-प्रसाद का आयोजन भी संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा मगाई, पुलिस उप महानिरीक्षक (ष्ठढ्डत्र) श्री रामकृष्ण साहू, अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और संयुक्त जिला कार्यालय के कर्मचारी भी मंदिर में उपस्थित रहे। सभी ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की, शिवलिंग का दुग्धाभिषेक और रुद्राभिषेक में भाग लेकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से मंदिर परिसर को भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित कर दिया। अधिकारी-कर्मचारी और श्रद्धालुओं का समर्पित भाव और उत्साह देखने योग्य था। इस आयोजन से जिले में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ और लोगों में धार्मिक चेतना और सामूहिक भक्ति का संदेश फैलाने का अवसर मिला। महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व ने सभी के लिए आध्यात्मिक आनंद और सामाजिक मेलजोल का प्रतीक बनकर उभरा।

सालों बाद विकास की आस लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे कैका और गुमरा पंचायत के ग्रामीण

सड़क, बिजली और स्कूल की मांग; कलेक्टर ने जल्द कार्रवाई का दिया भरोसा

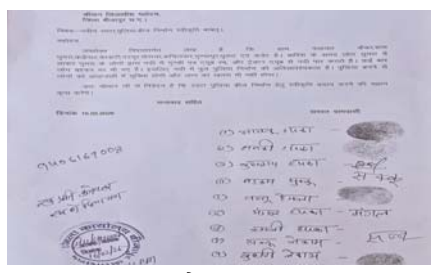

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के अंदरूनी और लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे कैका और गुमरा पंचायतों के सैकड़ों ग्रामीण सोमवार को पहली बार बड़ी तादाद में जिला मुख्यालय पहुंचे। कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर उन्होंने अपने गांवों में सड़क, बिजली, स्कूल, आंगनबाड़ी और पुलिया जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। पंचायत तक पहुंचने के लिए ठीक सड़क नहीं है, कई जगहों पर पुलिया का अभाव है और बिजली अब तक नहीं पहुंच सकी। शासकीय भवनों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई और अन्य सेवाएं भी प्रभावित होती रही हैं।ग्रामीणों का कहना था कि नक्सलवाद के चलते वर्षों तक न तो जनप्रतिनिधि गांवों तक पहुंच पाए और न ही प्रशासनिक अधिकारी। इसी वजह से दोनों पंचायतें विकास की रफ्तार से पीछे रह गईं। अब जब इलाके में हालात पहले से बेहतर हुए हैं, तो ग्रामीण खुलकर अपने गांवों के विकास की मांग कर रहे हैं।गौरतलब है कि करीब 20 से 25 साल बाद इतनी बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और सीधे कलेक्टर से मुलाकात की। कलेक्टर ने उनकी समस्याएं ध्यान से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि बिजली, पानी, सड़क और पुलिया जैसे कामों को प्राथमिकता देकर जल्द शुरू कराया जाएगा।आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों के चेहरों पर संतोष नजर आया। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब उनके गांव भी धीरे-धीरे विकास की मुख्यधारा से जुड़ेंगे।

प्रशासनिक टीम की पिटाई से बुजुर्ग की मौत एसडीएम सहित चार लोगों पर एफआईआर दर्ज

अवैध बाक्स साइड खनन को लेकर मचा बवाल

बलरामपुर /मूक पत्रिका

जिले के कुसमी ब्लाक के हंसपुर गांव में अवैध बॉक्साइट खुदाई के दौरान जमकर मारपीट हुई इस मारपीट में कि ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पर मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मारपीट में एक ग्रामीण बुजुर्ग की मौत हो गई वहीं दो लोग घायल हुए हैं द्य अब घटना ने राजनीतिक रंग ले लिया है भारी विरोध के बाद इस मामले में एसडीएम सहित चार अन्य लोगों के खिलाफ़ अपराध दर्ज कर लिया है द्य तनाव को देखते हुए गांव में मामले ने राजनीतिक सरगर्मी भी बढ़ा दी है। फिलहाल स्ष्ठरू समेत चार लोग गिरफ्तार किए जा चूके हैं और गांव से लेकर अस्पताल तक भारी पुलिस बल तैनात है।

हंसपुर में अवैध खनन की जांच के दौरान बवाल-रविवार देर रात राजस्व विभाग की टीम हंसपुर में अवैध बॉक्साइट उत्खनन की सूचना पर पहुंची। टीम में कुसमी स्ष्ठरूकरूण डहरिया, नायब तहसीलदार पारस शर्मा और उनके साथ मौजूद स्थानीय युवक शामिल थे। बताया गया कि जांच के दौरान तीन ग्रामीण- राम नरेश राम (60), अजीत उरांव (60) और आकाश अगरिया (20) सरना के पास मिले, जहां कथित रूप से विवाद बढ़ गया।

ग्रामीणों का आरोपः लाठी-डंडों से की गई पिटाई-घायल ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि, वे गेहूं के खेत की सिंचाई कर लौट रहे थे तभी स्ष्ठरूऔर टीम ने उन्हें रोका। पूछताछ के बाद टीम के सदस्यों ने लाठी, डंडे और लात-घूंसे से पिटाई की। पिटाई के बाद तीनों को जबरन गाड़ी में बैठाकर कुसमी ले जाया गया। रास्ते में बुजुर्ग राम नरेश राम की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। तीनों को कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां इलाज के दौरान राम नरेश की मौत हो गई। अजीत उरांव और आकाश अगरिया अभी भी उपचाररत हैं। घटना के बाद अस्पताल और थाना परिसर में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

SDM सहित चार लोग हिरासत में-घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने स्ष्ठरू करूण डहरिया, नायब तहसीलदार पारस शर्मा और उनके साथ मौजूद युवकों को हिरासत में लिया है। हालांकि अभी तक स्नढ्ढक्र दर्ज नहीं की गई है। बलरामपुर एडिशनल एसपी विश्वदीपक त्रिपाठी भी जांच के लिए मौके पर पहुंचे हैं। अंबिकापुर से फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

अवैध उत्खनन और ब्लैकमेलिंग की थी सूचना-सूत्रों के अनुसार हंसपुर गांव में अवैध बक्साइट उत्खनन चल रहा था और ग्रामीणों द्वारा एक ट्रक पकड़कर ब्लैकमेलिंग की कोशिश की जा रही थी। इसी सूचना पर स्ष्ठरू टीम मौके पर पहुंची थी। बताया गया कि अधिकारी बिना सुरक्षा कर्मियों के और निजी युवकों के साथ वहां पहुंचे थे, जिससे विवाद और बढ़ गया।

एसीबी में मामला विचाराधीन फिर भी मिल गई पोस्टिंग-विभागीय सूत्र बताते हैं की किसी भी अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध जब तक किसी अपराध अथवा भ्रष्टाचार को लेकर मामला विचाराधीन होता है द्य उन्हें किसी भी प्रकार की मदर पदस्थापना नहीं दी जाती बावजूद इसके एसडीएम डहरिया को पोस्टिंग देकर उन्हें उपकृत किया गया द्य मिली जानकारी के अनुसार एसडीएम करण डहरिया की गरियाबंद पोस्टिंग के दौरान ऐंटी करप्शन ब्यूरो ने उनके खिलाफ़कार्रवाई की थी जो मामला अब भी विचारधीन है इतना ही नहीं एसडीएम डहरिया पर अपने ही परिवार में एक व्यक्ति के हत्या का भी आरोप है ।

संक्षिप्त समाचार

आईडीबीआई बैंक ने 15 लाख के हेल्थ इंश्योरेंस कवर के साथ 'आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट' स्कीम शुरू की

आईडीबीआई बैंक ने आज 'आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट' स्कीम शुरू की। यह एक अद्वितीय फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम है, जिसमें हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के साथ एश्योर्ड रिटर्न भी मिलता है। इससे ग्राहकों के कल्याण और वित्तीय सुरक्षा के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम में ग्राहक 7.50 लाख की निश्चित राशि 370 दिनों के लिए जमा कर सकते हैं, जिसमें उन्हें फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज के साथ 15 लाख तक का हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज भी मिलेगा। हेल्थ इंश्योरेंस कवर इस प्रोडक्ट के लिए बैंक के इंश्योरेंस पार्टनर केयर हेल्थ इंश्योरेंस द्वारा दिया जाएगा। यह स्कीम उन रेज़िडेंट व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए पेश की गई है, जिनकी उम्र 18 साल से लेकर 58 साल 11 महीने के बीच है। स्कीम के बारे में आईडीबीआई बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सुमित पक्का ने कहा, आरोग्य फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम आईडीबीआई बैंक का ग्राहकों पर लगातार केंद्रित इनोवेशन प्रदर्शित करती है। हम एश्योर्ड रिटर्न के साथ हेल्थ इंश्योरेंस कवर देकर एक ऐसा व्यवहारिक समाधान पेश कर रहे हैं, जो ग्राहकों को वित्तीय स्थिरता के साथ हेल्थ सिक्योरिटी भी प्रदान करता है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एमजी मैजेस्टर का अनावरण किया, भारत की पहली डी+ सेगमेंट एसयूवी

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज एमजी मैजेस्टर को पेश किया। यह भारत की पहली डी+ एसयूवी है। इसे उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो बोल्ड, प्रभावशाली, बेहतर क्षमता से लैस, अटल विश्वसनीयता और बेजोड़ सुंदरता वाली जीवनशैली चाहते हैं। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में शानदार पदार्पण के बाद, मैजेस्टर अब एमजी की सबसे मजबूत, टिकाऊ और प्रीमियम एसयूवी बन गई है।इसे भारतीय सड़कों और उससे आगे के लिए तैयार किया गया है। शीर्ष प्रदर्शन, सड़क पर दबदबा, सभी भूभागों पर बेहतर क्षमता, प्रीमियम आराम और उन्नत सुरक्षा के लिए निर्मित, मैजेस्टर अत्याधुनिक 4×4 कौशल का प्रदर्शन करती है। इसकी इनोवेशन, लग्जरी फीचर्स, शीर्ष स्तर की सुरक्षा और स्थायी निर्माण गुणवत्ता इसे बेहतरीन बनाते हैं। आज से मैजेस्टर प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध है, जबकि पूर्ण रेंज की कीमत और बाजार उपलब्धता लॉन्च के निकट घोषित की जाएगी। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक अनुराग मेहरोत्रा ने कहा, ×ह्वह्वश्वह्व;भारत का प्रीमियम एसयूवी ग्राहक तेजी से विकसित हो रहा है, वह केवल जगह की नहीं, बल्कि एक ऐसे वाहन की तलाश में है जो प्रतिष्ठा का प्रतीक हो, आत्मविश्वास जगाए, और अधिक महत्वाकांक्षी जीवनशैली में सहजता से घुल-मिल जाए। एमजी मैजेस्टर के साथ, हमने एक ऐसी एसयूवी बनाई है जो अपनी क्षमता में मजबूत, आराम में परिष्कृत और इंजीनियरिंग में भरोसेमंद है।

आईआईएफएल फाईनेंस ने 9 प्रतिशत सालाना रिटर्नके साथ 2,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए

देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाईनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में सेएक, आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड ने रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबलडिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू जारी किए हैं, जो मंगलवार, 17फरवरी, 2026 से मिलना शुरू होंगे। इनका इश्यू साईज़ 500 करोड़ रुपयेहै, और 1,500 करोड़ रुपये तक का ओवरसब्सक्रिप्शन बनाए रखने केलिए ग्रीन-शू विकल्प है। इस प्रकार कुल इश्यू साईज़ 2,000 करोड़ रुपयेका होगा। इस फंड का उद्देश्य कंपनी के व्यवसाय में वृद्धि करना और पूंजीबढ़ाना है। इस एनसीडी द्वारा 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक का प्रभावी रिटर्न मिलेगा औरयह 24 महीनों, 36 महीनों, और 60 महीनों की अवधियों के लिए उपलब्धहोगा। ब्याज का पे-आउट मासिक, वार्षिक या मैच्योरिटी के बाद लिया जा सकता है। इस इश्यू को क्राईसिल रेटिंग्स ने क्राईसिल एए/स्टेबल रेटिंग दी है ब्रिकवर्क रेटिंग्स द्वारा इसे बीडब्लूआर एए+ (स्टेबल) रेटिंग दी गई है, जिससे प्रदर्शित होता है कि इनमें बहुत कम क्रेडिट रिस्क है और येफाईनेंशियल दायित्वों को समय पर पूरा करने के लिए बहुत ज्यादासुरक्षित हैं। श्री निर्मल जैन, फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, आईआईएफएलफाईनेंस ने कहा कि, ''आईआईएफएल फाईनेंस भारत के प्रमुखएनबीएफसी में से एक है। यह पूरे देश में मजबूत स्थिति रखता है। इसकाडाईवर्सिफाईड रिटेल पोर्टफोलियो 4.6 मिलियन से अधिक वंचित ग्राहकोंको क्रेडिट प्रदान करता है।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के अधिकारियों ने किया कला केंद्र रायपुर का भ्रमण

(LBSNAA) के अधिकारियों ने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से की सौजन्य मुलाकात

मूक पत्रिका/रायपुर - लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (LBSNAA) से आए आईएएस अधिकारियों के एक दल ने रायपुर स्थित कला केंद्र का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कला केंद्र की संकल्पना, संरचना एवं यहां संचालित विभिन्न कलात्मक गतिविधियों का अवलोकन कर इसकी सराहना की।

यह कला केंद्र मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन में स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा कला एवं संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करना है।

आईएएस अधिकारियों ने केंद्र के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया तथा संगीत, नृत्य, नाट्य एवं अन्य कलात्मक विधाओं के प्रशिक्षण एवं संचालन की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने कला केंद्र की व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया।

उन्होंने कहा कि यह केंद्र युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर कला केंद्र के श्री राहुल ठाकुर ने गिटार के साथ एक संगीतमय प्रस्तुति दी, जिसकी सभी अधिकारियों ने सराहना की। अधिकारियों ने उनकी कला की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (LBSNAA) के अधिकारियों ने कलेक्टर डॉ गौरव सिंह से की सौजन्य मुलाकात ITP (इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम) के तहत राजधानी पहुंचे आईएएस अफसरों ने कलेक्टर डॉ गौरव सिंह से कलेक्टर कार्यालय में की मुलाकात । डॉ. सिंह ने सभी अधिकारियों को जिले में संचालित जिला प्रशासन के पायलट प्रोजेक्ट के बारे में बताया। अधिकारियों ने भ्रमण के दौरान कला केंद्र का अनुभव कलेक्टर डॉ गौरव सिंह से साझा करते हुए कहा कि जिले में संचालित सभी प्रोजेक्ट सराहनीय हैं ।

अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराने नेवसा में चला महाअभियान नेवसा - जनपद पंचायत बिल्हा

बिलासपुर अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत लेकिन अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों को पूर्ण कराने के उद्देश्य से एनआरएलएम की विहान क्रेडर दीदियों द्वारा विशेष महाअभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड बिल्हा के ग्राम पंचायत नेवसा में वर्ष 2016 से 2026 तक स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा हेतु विशेष निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। इस दौरान एफएलसीआरपी, आरबीके, सक्रिय महिला समूह की सदस्याएं, बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी, आवास मित्र एवं पंचायत सचिव की संयुक्त टीम ने अपूर्ण और अप्रारंभ आवासों का घर-घर पहुंचकर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उन्हें 31 मार्च 2026 तक अपने आवास निर्माण कार्य को हर हाल में

पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। टीम ने निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं की जानकारी भी ली तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। शासन-प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र हितग्राही आवास योजना के लाभ से वंचित न रहे और सभी स्वीकृत आवास समयसीमा के भीतर पूर्ण हों। नेवसा पंचायत में चलाए गए इस महाअभियान से अपूर्ण आवासों की प्रगति में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

अनविता ग्रुप ने ग्लोबल एक्सपेंशन स्ट्रैटेजी शुरू की

नईदिल्ली: रियल एस्टेट फर्म अनविता ग्रुप तेजी से एक बड़े विस्तार की ओर बढ़ रही है। ग्रुप के चेयरमैन बोप्पना अच्युता राव ने बताया कि अनविथा के पास वर्तमान में 10 मिलियन वर्ग फुट में फैली प्रोजेक्ट्स अंडर कंस्ट्रक्शन हैं, जिनमें लगभग 4,200 यूनिट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 20 मिलियन वर्ग फुट में फैले प्रोजेक्ट्स अप्रूवल के विभिन्न चरणों में हैं। अपनी विस्तार रणनीति के तहत, कंपनी हैदराबाद में तीन और विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा में एक-एक नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने की योजना बना रही है, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 11,000 यूनिट्स होंगी।

कंपनी का लक्ष्य 2029 तक सभी पांच प्रोजेक्ट्स को पूरा करना है। अच्युता राव ने बताया कि प्रोजेक्ट्स को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिजाइन किया जा रहा है, जिसमें फ्लोर प्लानिंग, क्लब हाउस, माहौल और लाइफस्टाइल संबंधी सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में ग्राहकों की प्रतिक्रिया को शामिल किया गया है।

ग्लोबल एक्सपेंशन - तेलुगु भाषी राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के बाद, अनविता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रही है। अमेरिका में, कंपनी ने डलास, टेक्सास में 17 एकड़ में फैले एक रेज़िडेनेशियल प्रोजेक्ट शुरू की है और साथ ही वहां अपना अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेट ऑफिस भी स्थापित कर रही है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका में 500 एकड़ में फैले 1,700 विला वाला एक विशाल प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कंपनी ने इस साल के अंत में दुबई में एक नई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना की भी घोषणा की है।

शानदार फाइनेंस स्कीम - अनविता ग्रुप ने घर खरीदारों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए अपनी अभिनव 10/90 गृह खरीद योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत, ग्राहकों को फ्लैट की लागत का केवल 10त्न अग्रिम भुगतान करना होगा, जबकि ईएमआई का भुगतान घर सौंपे जाने के बाद ही शुरू होगा। इस प्रोजेक्ट का लॉंच अनविता ग्रुप के चेयरमैन बोप्पना अच्युता राव और कंपनी के ब्रांड एंबेसडर, पद्म भूषण पुरस्कार विजेता नंदामुरी बालकृष्ण ने संयुक्त रूप से किया।

जंगली जानवरों के अवैध शिकार के लिए शिकारियों का बैखौफ बढ़ता जाल.....

बिलासपुर। जंगल में शिकारी सक्रिय है। शिकारी अब इतने बेखौफहो चले हैं कि वह जंगल में खुलेआम पिंजरा लगा करके जंगली जानवरों को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं। पाली रेंज अंतर्गत लाफा के जंगल में एक ग्रामीण ने जंगली सूअर पकड़ने के लिए तार का फंदा लगाया था। लेकिन, उसमें सूअर की जगह एक तेंदुआ फंस गया। तेंदुआ के फंसने की सूचना मिलते आसपास क्षेत्र में दहशत फैल गया। वन विभाग को जानकारी मिलने के बाद उन्होंने कानन पेंडारी की रेस्क्यू टीम से मदद मांगी।घटना की जानकारी मिलने के बाद वन अमले के साथ कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत, डा. चंदन रात लगभग 10 बजे घटनास्थल व पहुंचे। फंदे में फंसा तेंदुआ छटपटा रहा था, इसलिए पहले ट्रैंक्यूलाइजर गन से

बेहोश करने का निर्णय लिया के बाद तेंदुए को फंदा से बाहर निकालने में सफलता मिली। फंदे में फंसने की वजह से तेंदुआ के पेट व पिछले हिस्से में चोट थी। समय पर रेस्क्यू करने की वजह से तेंदुआ की जान तो बच गई। लेकिन, इस घटना के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि जंगल या वन्य प्राणी सुरक्षित नहीं है। शिकारी फंदा लगाकर वन्य प्राणियों की जान ले रहे हैं। इस पर कानन जू के वन्य प्राणी चिकित्सक डा. पीके चंदन दल के साथ मौके पर पहुंचे थे जहां तेंदुआ को सामान्य स्थिति में निकाल पाना मुश्किल था। इसलिए ट्रैंक्यूलाइजर गन से बेहोश करने की अनुमति मांगी। पीसीसीएफ वन्य प्राणी से अनुमति मिलने के बाद सोमवार की रात एक बजे बेहोश किया और उसे फंदे से बाहर निकाला गया। उपचार के बाद तेंदुआ को जंगल में छोड़ दिया गया। एटीआर की डागी नीतू की मदद से शिकारी तक पहुंची टीम तेंदुआ, जिस फंदे में फंसा था, दरअसल वह शिकारियों की करतूत थी। आरोपित को पकड़ने के लिए कटघोरा वनमंडल ने अचानकमार टाइगर रिजर्व के डाग स्क्वाड की मदद ली। टाइगर रिजर्व की डाग नीतू जांच के दौरान नगोई भाठा निवासी विजय कुमार गोंड (37) तक पहुंच गई। तलाशी के दौरान शिकार में प्रयुक्त तार, फंदे व अन्य सामग्री बरामद हुई। आरोपित ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वह सूअर का मांस खाने की लालसा में फंदा लगाया था। लेकिन, उसमें तेंदुआ फंस गया। वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धारा 09, 51 व 52 के तहत प्रकरण दर्ज कर, आरोपित को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाली के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

निर्माणाधीन पीएम आवास कॉलोनी का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

■ गुणवत्ता, विद्युत व्यवस्था एवं समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश

कोरबा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने कोरबा स्थित दादरखुर्द क्षेत्र में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी का औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों से आवास निर्माण की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं शेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री दुदावत ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप किए जाएं। उन्होंने पेंटिंग, इंटीरियर एवं अन्य लंबित कार्यों को समय-सीमा के भीतर सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हितग्राहियों को आवास हस्तांतरण से पूर्व सभी आवश्यक कार्य पूर्ण होना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कॉलोनी के पार्ट-वन एवं पार्ट-टू के कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देशित किया कि कार्यों में तेजी लाई जाए तथा संपूर्ण निर्माण शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने श्रमिकों (लेबर) की संख्या बढ़ाकर कार्य को गति देने और प्रतिदिन प्रगति की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को कॉलोनी में समुचित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में निवासियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने ठेकेदार एवं विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि मार्च माह तक आवास निर्माण के साथ विद्युत सहित सभी आवश्यक कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है, जिसका उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवास उपलब्ध कराना है। अत: निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, सीडीएम कोरबा श्री सरोज महिलांगे सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सड़क, चैक एवं प्रस्तावित गौधाम-मियावाकी क्षेत्र का किया निरीक्षण, कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा पर दिया जोर' निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने तहसील रोड, बाईपास रोड (मंडी से आरएसएस नगर मार्ग) का भी निरीक्षण कर सड़क निर्माण एवं व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा यातायात सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने रिस्दी चैक, प्रस्तावित गौधाम क्षेत्र एवं विकसित किए जा रहे मियावाकी क्षेत्र का भी निरीक्षण किया।

महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति के लिए 6 जिले के 42 स्व-सहायता समूह को रेडी-टू-ईट निर्माण एवं वितरण का कार्य

मूक पत्रिका/रायपुर, 16 फरवरी 2026/ छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में कुपोषण दूर करने और महिला सशक्तिकरण के लिए रेडी-टू-ईट फूड निर्माण का काम महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपते हुए 6 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस पहल के तहत रायगढ़, बस्तर, दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार, कोरबा, और सूरजपुर जिलों में आंगनबाड़ियों के लिए पौष्टिक आहार निर्माण का कार्य महिला समूहों को मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी टू ईट) के निर्माण और वितरण का कार्य महिला स्वसहायता समूहों को सौंपने का फैसला किया। राज्य के 6 जिले के 42 महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी टू ईट के निर्माण और वितरण का कार्य सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति के इस मिशन को प्रथम चरण में प्रदेश के

6 जिलों - बस्तर, दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार, कोरबा, रायगढ़ एवं सूरजपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा रहा है। वहीं रायगढ़ प्रदेश का पहला जिला बन गया है, जहां महिला समूहों ने 'रेडी-टू-ईट' उत्पादन प्रारंभ किया है। यह पहल महिलाओं की आर्थिक समृद्धि और बच्चों के स्वास्थ्यकृदोनों को नई दिशा प्रदान करेगी। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरबा-10 स्व-सहायता समूह को रेडी-टू-ईट निमाण का कार्य सौंपा जा चुका है। इसी प्रकार रायगढ़-10 स्व-सहायता समूह, सूरजपुर और बलौदाबाजार-भाठापारा जिला में 7-7 स्व- सहायता समूह को, बस्तर जिले में 6 स्व-सहायता समूह और दंतेवाड़ा में 2 महिला स्व-सहायता समूह को रेडी-टू-ईट निमाण का कार्य सौंपा जा चुका है। इन स्व-सहायता समूहों के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी टू ईट) का निर्माण और वितरण का कार्य किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि इन समूहों की बहनें अब आंगनबाड़ी के बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ-साथ इस कार्य से अपनी आमदनी भी बढ़ाएंगी, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। यह योजना महिलाओं को स्व-रोजगार के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण और परिणामोन्मुखी पहल है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से बच्चों को पोषण युक्त आहार प्रदान कर राज्य के पोषण स्तर में सुधार लाने में भी यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

61 रन से हराया; ईशान ने 77 रन बनाए, इंडिया ने सुपर-8 में जगह बनाई

टी-20 वर्ल्डकप में भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत

कोलंबो । भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है। टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सुपर-8 राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है। टीम लगातार 3 जीत के साथ ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। रविवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 176 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान खान ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट झटके। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। कप्तान सूर्यकुमार ने 32 रन बनाए। सईम अयूब ने 3 विकेट। मैच का

पाकिस्तान पर जीत से बढ़ा आत्मविश्वास

ईशान ने साफ कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला हमेशा खास होता है। यह सिर्फ खिलाड़ियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए भावनात्मक मैच होता है। ऐसे में इस जीत का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने माना कि पाकिस्तान के पास बेहतरीन स्पिन आक्रमण था, लेकिन टीम की योजना साफ थी, अच्छी गेंदों का सम्मान और खराब गेंदों पर अटैक। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास पूरे टूर्नामेंट के लिए बढ़ेगा और अब लक्ष्य लय को बरकरार रखना है।

ईशान किशन ने खोला तूफानी बल्लेबाजी का राज

ईशान ने बताया कि उन्होंने अपने ऑफ-साइड खेल पर काफी मेहनत की है और उसी का फायदा उन्हें मिला। बड़े मैदान का फायदा उठाते हुए उन्होंने गैप तलाशे और एक-एक की जगह दो-दो रन लेने पर फोकस किया। उनके मुताबिक टीम का लक्ष्य 160-170 रन का स्कोर खड़ा करना था, जो इस पिच पर एक मजबूत टोटल साबित हो सकता था।

टॉस के दौरान आपस में हाथ नहीं मिलाया

टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले साल एशिया कप के दौरान पाकिस्तान के प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया था। यह फैसला पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में किया गया था।

ब्रीफ न्यूज

डीकाक ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 3000 पूरे किये

अहमदाबाद । दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। डीकॉक ने इस मैच में 4 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। अब वह इस प्रारुप में 3000 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के 13वें बल्लेबाज बन गए हैं। डी कॉक ने अब तक 105 टी20ङ्ख मैचों में कुल 3,018 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत : 31.76 और स्ट्राइक रेट : 142.42 रन रहा है। उन्होंने दो शतक लगाये हैं। इस प्रकार वह दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20ङ्ख और टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन बये हैं। इस विश्व कप में उनके पास ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच के 3120 रन, डेविड वार्नर के 3277 रन और विरनदीप सिंह के 3180 रन के स्कोर को पीछे छोड़ने का अवसर भी है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन डेविड मिलर के नाम हैं। उन्होंने 120 पारियों में 2,713 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और आठ अर्धशतक शामिल हैं।

टी-20 वर्ल्डकप में अमेरिका की लगातार दूसरी जीत

नामीबिया को 31 रन से हराया, संजय कृष्णमूर्ति ने 68 रन बनाए; शाल्कविक को 2 विकेट

चेन्नई । अमेरिका ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। रविवार को टीम ने नामीबिया को 31 रन से हरा दिया। 26वें मैच में ङ्क ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। ग्रुप-ए का यह मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका ने नामीबिया को 200 रन का टारगेट दिया। टीम ने 4 विकेट खोकर 199 रन बना दिए। संजय कृष्णमूर्ति ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए। उन्होंने 33 बॉल पर 6 सिक्स और 4 चौके लगाए। वहीं कप्तान मोनांक पटेल ने 30 बॉल पर 52 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 3 सिक्स लगाए।

नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरास्मस और विलेम माईबर्ग ने 2-2 विकेट चटकाए। रूबेन ट्रम्पलमैन सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में 52 रन दे दिए।

200 रन का पीछा करने उतरी नामीबिया की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन ही बना सकी। टीम से लॉरेन स्टीनकैंप ने 58 रन की पारी खेली। जेजे स्मिट ने 31 रन का योगदान दिया। अमेरिका से शैडली वान शाल्कविक ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। मैच का स्कोरकार्ड

आखिरी ओवर में नामीबिया 6 रन ही जोड़ सका और एक विकेट गंवा बैठा, जिससे टीम 20 ओवर में 168/6 तक ही पहुंच पाई। इस तरह अमेरिका ने मैच 31 रन से जीत लिया और टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अपनी क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रखा।

अली खान ने आखिरी ओवर में कसी हुई गेंदबाजी की, जिसमें एक विकेट भी लिया। जेजे स्मिट बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में स्लोअर बाउंसर पर विकेटकीपर के हाथों कैच हो गए।

लगातार तीसरी हार के साथ नामीबिया अब टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

नामीबिया टूर्नामेंट से बाहर

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से नामीबिया बाहर हो गया है। ग्रुप-ए में टीम अपने तीनों मैच हार गई। नामीबिया को हराकर अमेरिका अभी भी क्वालिफिकेशन राउंड में बना हुआ है। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर मौजूद है।

टी-20 वर्ल्ड कप

यूनो ट्रॉफी क्रिकेट मैच - चीफ सेक्रेटरी इलेवन ने जीता मैच

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल सर्किल द्वारा चीफ सेक्रेटरी इलेवन एवं सीजीएम इलेवन के बीच आयोजित यूनो ट्रॉफी क्रिकेट मैच का आयोजन आज दिनांक 14 फरवरी 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह रोमांचक मुकाबला ओल्ड कैपियन क्रिकेट ग्राउंड, भोपाल में हुआ।

मैच से पूर्व प्रात: 9:30 बजे टॉस कराया गया, जिसमें दोनों टीमों के कप्तानों — सीएस इलेवन के कप्तान अनुराग जैन एवं सीजीएम इलेवन (एसबीआई) के कप्तान प्रभाष कुमार सुबुधि — की उपस्थिति में टॉस संपन्न हुआ।

सीएस इलेवन एवं सीजीएम इलेवन के बीच खेला गया यह यह मुकाबला चीफ सेक्रेटरी इलेवन टीम ने 18 रनों से जीता। मैच में पहले बल्लेबाजी चीफ सेक्रेटरी इलेवन ने की और 167 रन 5 विकेट पर बनाएं जबकि सीजीएम इलेवन ने 20 ओवर में 149 रन 5 विकेट पर बनाए और इस तरीके से चीफ सेक्रेटरी इलेवन ने 18 रनों से मैच में जीत दर्ज की मैच में बेस्ट ऑलराउंडर करण, भारतीय स्टेट बैंक रहे जिन्होंने बेटिंग में 27 रन बनाए और बोलिंग में चार ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए इसी तरह से मैन ऑफ द मैच हिमांशु चंदा सीएस इलेवन टीम के रहे जिन्होंने 46 रन और एक विकेट लिया। मैच में बेस्ट बॉलर का अवार्ड अनुराग जैन को मिला जिन्होंने चार ओवर में 27 रन देकर एक विकेट लिया और मैच का पासा पलट दिया। खिलाड़ियों ने अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया गया। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि भारतीय स्टेट बैंक और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच आपसी सहयोग, सौहार्द और सकारात्मक कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने में भी सफल रहा।

न्यूजीलैंड को हराकर सुपर-8 के करीब पहुंचा साउथ अफ्रीका

दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के 24 मुकाबले खेले जा चुके हैं। 6 दिन में 16 मैच और बचे हैं। अब तक किसी भी टीम ने सुपर-8 में जगह नहीं बनाई, लेकिन शनिवार को साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी पोजिशन लगभग कन्फर्म कर ली। अफगानिस्तान का क्वालिफाई कर पाना मुश्किल है, वहीं ओमान एलिमिनेट होने वाली पहली टीम बन गई। ग्रुप-ए : आज भारत-पाकिस्तान के पास क्वालिफिकेशन का मौका

ग्रुप-ए में मेजबान भारत और 2009 की चैंपियन पाकिस्तान के अलावा अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया हैं। भारत और पाकिस्तान 2-2 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर हैं। आज दोनों के बीच होने वाला मैच जीतने वाली टीम सुपर-8 में अपनी जगह लगभग कन्फर्म कर लेगी। वहीं हारने वाली टीम को आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे। इस ग्रुप में नामीबिया दोनों मैच हार चुकी है, टीम ने एक और मुकाबला गंवाया तो एलिमिनेट हो जाएगी। अमेरिका और नीदरलैंड भी 2-2 मैच हार चुकी है, इन्हें भी क्वालिफाई करने के लिए आखिरी मुकाबले जीतने ही होंगे। दोनों टीमें 1-1 जीत के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स, भारत ने पाकिस्तान को हराया

आठ विकेट से जीता मैच, 94 रन का टारगेट 11वें ओवर में चेज किया

बैंकॉक। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के महामुकाबले से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम (भारत-ए) ने पाकिस्तान को हरा दिया है। इष्ट विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के छठे मैच में भारत-ए ने पाकिस्तान-ए को 8 विकेट से मात दी।

रविवार को बैंकॉक के तेर्दथाई क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान-ए ने भारत-ए को जीत के लिए 94 रनों का टारगेट दिया था। इस टारगेट को भारत-ए ने 10.1 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया।

अनुष्का ने चार चौके की मदद से 26 बॉल पर 24 रन बनाए। अनुष्का को मोमिना रियासत ने आउट किया। वहीं ओपनर वृंदा दिनेश ने सिर्फ 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन की पारी खेली, जिसमें 12 चौके शामिल रहे। तेजल हसब्निस ने भी नाबाद 12 रन बनाए।

वृंदा दिनेश ने नाबाद 55 रन बनाए

पाकिस्तान-ए के खिलाफ रन चेज में भारत-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पारी की पहली ही गेंद पर हुमैरा काजी का विकेट गंवा दिया। हुमैरा को वहीदा अख्तर ने नेहा शर्मिन के हाथों कैच कराया। इसके बाद वृंदा दिनेश और अनुष्का शर्मा ने दूसरे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

दोहा में चेक गणराज्य की विजेता केरोलीना मुकोवा और उपविजेता कनाडा की विक्टोरिया मेबोको एक साथ नजर आयीं।

नेपाल को 9 विकेट से हराया; होप का अर्धशतक, होल्डर ने 4 विकेट लिए

वेस्टइंडीज लगातार तीसरी जीत के साथ सुपर-8 में

मुंबई। वेस्टइंडीज लगातार तीन जीत के साथ इस वर्ल्ड कप के सुपर-8 में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने रविवार को दिन के पहले मैच में नेपाल को 9 विकेट से हराया। वहीं, नेपाल लगातार तीसरा मुकाबला हारकर सुपर-8 से बाहर हो गई है। वेस्टइंडीज ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। नेपाल ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 133 रन बनाए। जवाब में विंडीज ने 15.2 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दोनों टीमें ग्रुप-सी में हैं।

जेसन होल्डर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए

ऐरी ने अर्धशतक लगाया

नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 47 बॉल पर 58 रन बनाए। सोमपाल कामी 15 बॉल पर 26 रन बनाकर नाबाद रहे। लोकेश बम 13, गुलशन झा और आसिफ शेख 11-11 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जेसन होल्डर ने 4 विकेट झटके। रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन और शमार जोसेफ को 1-1 विकेट मिला।

ऐरी टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नेपाल के लिए 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले 2014 में चटगांव में अफगानिस्तान के खिलाफ सुभाष खाकुरेल ने 56 रन बनाए थे।

होप की नाबाद हाफ सेंचुरी

वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने नाबाद अर्धशतक लगाया। उन्होंने 44 बॉल पर नाबाद 61 रन बनाए। उनके अलावा शिनरोन हेटमायर ने नाबाद 46 और ब्रैंडन किंग ने 22 रन बनाए। नेपाल के लिए नंदन यादव को 1 विकेट मिला।

ग्रुप-सी पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	पॉइंट्स	रन रेट
वेस्टइंडीज	3	3	0	6	+1.820
इंग्लैंड	3	2	1	4	-0.143
स्कॉटलैंड	3	1	2	2	+0.359
इटली	2	1	1	2	-0.352
नेपाल	3	0	3	0	-1.942

वेस्टइंडीज ने 133 रन का टारगेट चेज किया

वेस्टइंडीज 9 विकेट से जीती - 16 ओवर की दूसरी बॉल पर मैच का अंत हो गया और वेस्टइंडीज ने सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। ऐरी की फुल लेंथ गेंद पर होप के सिंगल के साथ मुकाबला खत्म हुआ और वेस्टइंडीज ने टारगेट हासिल कर अगला दौर तय कर लिया। वहीं, नेपाल इस हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

तुलसी साहू का आल इंडिया सिविल सर्विसेस हॉकी प्रतियोगिता में चयन छ.ग.टीम का करेंगे प्रतिनिधित्व

बेमेतरा/मूक पत्रिका

केन्द्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड,नई दिल्ली के तत्वधान में अखिल भारतीय सिविल सर्विसेस हॉकी(महिला) प्रतियोगिता 2025ङ्क26 का आयोजन 17 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है,इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता में बेमेतरा जिला अंतर्गत विकासखण्ड बेरला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव में पदस्थ व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू का चयन हुआ है जहां वे छत्तीसगढ़ राज्य दल का प्रतिनिधित्व करेगी,इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चयन होने वाली बेमेतरा जिले की एकमात्र शासकीय कर्मचारी खिलाड़ी तुलसी साहू है इससे पहले तुलसी साहू वर्ष 2022 में भोपाल,2023 में भुवनेश्वर(उड़िसा) एवं वर्ष 2024 काकीनाड़ा(आंध्रप्रदेश) में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेस हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ राज्य का प्रतिनिधित्व कर चुकी है ।

भोपाल में कांस्य पदक पर किया था कब्जा-वर्ष 2022 भोपाल में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेस हॉकी प्रतियोगिता में तुलसी साहू ने पूरे टूनामेंट में अपने उम्दा खेल कौशल का ऐतिहासिक प्रदर्शन किया तृतीय स्थान(कांस्य पदक) के लिए खेले गये मैच में तुलसी साहू ने मध्यप्रदेश टीम के खिलाफ शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 04 गोल कर छत्तीसगढ़ को प्रथम बार (महिला) वर्ग में कांस्य पदक जीताने में अहम भूमिका निभाई ।

सेंटर दिल्ली की टीम में चयन होने वाली जिले की प्रथम कर्मचारी खिलाड़ी-वर्ष 2024 में दिल्ली में आयोजित 4ह्लद्ध हॉकी इंडिया सीनियर महिला इंटर डिपार्टमेंट नेशनल चैंपियनशिप में सेंटर दिल्ली की टीम से भाग लेकर व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू ने रचा इतिहास पूरे टूनामेंट में सेंटर दिल्ली की टीम से खेलते हुए अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया किया ख्याति प्राप्त इस सीनियर महिला इंटर डिपार्टमेंट नेशनल चैंपियनशिप जैसे बढ़े प्रतियोगिता में भाग लेना प्रदेश व जिले के लिए बड़ी उपलब्धि रही तुलसी साहू बेमेतरा जिले की प्रथम कर्मचारी खिलाड़ी बनने का गौरव प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया ।

काकीनाड़ा(आंध्रप्रदेश) में किया करिश्माई प्रदर्शन-वर्ष 2024 अखिल भारतीय सिविल सर्विसेस हॉकी (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन आंध्रप्रदेश राज्य के (काकीनाड़ा) में आयोजित हुआ तुलसी साहू ने छत्तीसगढ़ टीम की ओर से खेलते हुए अपने चिर परिचित खेल का प्रदर्शन करते हुए मजबूत टीम केरल के खिलाफ शानदार 05 गोल,आंध्रप्रदेश टीम के खिलाफ02 गोल किए साथ ही टीम दिल्ली के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन कर अपने करिश्माई खेल का प्रदर्शन किया इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य श्याम सिंग सहित विद्यालय के पूर्व प्राचार्य तीक्ष्ण साहू,हिमाचंल साहू,देवघर देवांगन,श्यामसुंदर साहू,महेश बंधे,भीष्मदेव साहू,संजय बंछोर,हरीश साहू, दौलतराम साहू,विनोद साहू,भूपेन्द्र सिन्हा,भीष्म साहू,डिजिरानी साहू,पूर्णिमा साहू एवं समस्त शिक्षक,शिक्षिकाओं ने बधाई दी एवं उज्वल भविष्य की कमाना ।

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की सुनीं समस्याएं, जनदर्शन में 45 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत बीते सोमवार को कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। सोमवार को आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज व विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम सुरहोली एवं बांशा पहुंचे पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा मानस गान प्रतियोगिता कार्यक्रम में

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम सुरहोली एवं बांशा में समिति एवं समस्त ग्रामवासी द्वारा आयोजित श्री रामकथा मानस गान महोत्सव में सम्मिलित हुए इस अवसर पर पूर्व विधायक ने सर्व प्रथम प्रभु श्रीरामचंद्र भगवान का विधि-विधान से पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किए साथ ही समस्त जनमानस के सुख समृद्धि की कामना की इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि प्रभु श्री राम हम सभी के इष्ट हैं राम कथा के श्रवण मात्र से ही मनुष्य जन्म के पापों का निवारण हो जाता है ऐसे में समिति के द्वारा जो यह राम कथा महोत्सव मनाने का जो निर्णय लिया गया है वह बहुत ही सराहनीय है मैं समिति को आभार करता हूं जिन्होंने मुझे इस पावन महोत्सव में आमंत्रित किया तथा मुझे भी राम कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इस शुभ अवसर पर ललित विश्वकर्मा श्रीमति माधुरी रवि परगनिहा चंद्रप्रकाश साहू राधे श्याम साहू शुभम वर्मा राम सिंह गायकवाड परगनिया मनोज शर्मा श्रीमती डीकेश्वरी राकेश वर्मा नरोत्तम देशलहरे मानाराम वर्मा विकास मढ़रिया विष्णु प्रसाद साहू कृष्णानंद साहू मुरारी लाल वर्मा महेश तिवारी ओमप्रकाश साहू बलदाऊ प्रसाद शर्मा, जगन्नाथ चौहान, सालिक राम पाटिल, विजय, कुमार साहू, परेटन लाल साहू, गीत गोविंद मनहरन लाल वर्मा शेखचंद साहू, रामानंद साहू, लछीराम साहू, सुखीराम पाटिल, अजय वर्मा, धनराज साहू,शंकर साहू, शंकर निषाद,भोलाराम देवांगन, दुर्गेश धीवर, हरीश वर्मा ,योगेश वर्मा, अमित पाटिल ,मुकेश वर्मा, नीरज वर्मा ,करण धीवर,पवन रावत, राजा विश्वकर्मा, सुनील रावत, डीकेश धीवर कमल रावत, सोमेश वर्मा, मनोज साहू श्री श्रद्धा सुमन मानस मंडली,श्री गणेश रामलीला मंडली, जय दुर्गे महिला मानस मंडली सुरहोली एवं जय मां दुर्गा मानस मंडली, ? जागृति महिला मानस मंडली बांशा एवं ग्रामवासियों उपस्थित रहे ।

महाशिवरात्रि पर अटल आवास में नव निर्मित शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

शोभायात्रा, भजन-कीर्तन और भंडारे में शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

बीजापुर/मूक पत्रिका

महाशिवरात्रि के अवसर पर अटल आवास, चिकटराज वार्ड क्रमांक-14 में नव निर्मित शिव मंदिर की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। अटल आवास मंदिर समिति की ओर से आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम शनिवार और रविवार को संपन्न हुआ।शनिवार को बीजापुर के गायत्री मंदिर से शिवलिंग को बाजा-गाजा और डीजे के साथ शोभायात्रा निकालकर नए मंदिर तक लाया गया। यात्रा के दौरान पूरा वार्ड भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। जगह-जगह श्रद्धालु शोभायात्रा के स्वागत में खड़े नजर आए। रात में मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन हुआ, जहां देर तक लोग भगवान शिव की भक्ति में लीन रहे।रविवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके बाद अटल आवास परिसर में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें नगर और वार्ड के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।आयोजन में मंदिर समिति के सदस्य, वार्ड की पार्षद और बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे। इस धार्मिक आयोजन से पूरे इलाके में आस्था और उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

बेमेतरा-नारायणपुर में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से संपन्न

बेमेतरा/नारायणपुर/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नारायणपुर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में रविवार को भगवान शिव का पावन पर्व महाशिवरात्रि श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और शिवालयों में दर्शन के लिए लंबी कतारें देखने को मिलीं। ग्राम के महामंडलेश्वर शिव मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों ने जल, दूध, बेलपत्र एवं पुष्प अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। ÷हर-हर महादेव÷ के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा और पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया। दिनभर मंदिर प्रांगण में धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और जागरण का आयोजन किया गया। वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच पारंपरिक रीति-रिवाज से रुद्र पूजा एवं रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण भी किया गया।श्रद्धालुओं का कहना है कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रुद्राभिषेक करने से समस्त कष्टों का निवारण होता है तथा मन को असीम शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति मिलती है। पूरे दिन क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

परम् पूज्य संत श्री आशारामजी बापू द्वारा प्रेरित मातृ-पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होने पर विधायक दीपेश साहू कों सोनू साहू नें दिया खूब-खूब साधुवाद

बेमेतरा/मूक पत्रिका

श्री राम मंदिर प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय मातृ-पितृ पूजन दिवस के अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान हुए। विधायक जी अपनें उद्बोधन में बताया की मुझे लगता है इस देश में केवल एक ही संस्था है जो संस्कार का पाठ पढ़ाती है और वो है संत श्री आशारामजी बापू की संस्था। विधायक जी का यह कथन बापूजी की संस्था के प्रति उनके सम्मान और विश्वास को दर्शाता है। मातृ-पितृ पूजन दिवस के अवसर पर उन्होंने इस संस्था की महत्ता को रेखांकित किया। और इसके द्वारा किए जा रहे संस्कार और नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार की सराहना की। यह कार्यक्रम न केवल माता-पिता के सम्मान में आयोजित किया गया था, बल्कि इसमें संस्कार और नैतिक मूल्यों के महत्व पर भी चर्चा की। विधायक जी का यह कथन इस बात को उजागर करता है कि संत श्री आशारामजी बापू की संस्था समाज में संस्कार और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उनकी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर, विधायक जी ने अपना समय निकालकर हमारे बीच आए और हमें अपना समर्थन दिया। उनकी भावविभोर प्रतिक्रिया ने हमें प्रेरित किया है और हमें यह महसूस कराया है कि हमारा प्रयास सार्थक है। उनकी उपस्थिति से हमें यह महसूस हुआ कि वे हमारे प्रयासों को महत्व देते हैं और हमारे साथ है।श्री योग वेदांत सेवा समिति बेमेतरा, युवा सेवा संघ, बाल संस्कार केंद्र, महिला उत्थान मंडल, ऋषि प्रसाद सेवा एवं समस्त जिला हरि ? बापूजी के साधक परिवार की ओर से सोनू साहू युवा सेवा संघ बेमेतरा ने विधायक जी कों खूब-खूब साधुवाद दिया । हम विधायक जी की उपस्थिति के लिए और हमारे प्रयासों को समर्थन देने के लिए आभारी हैं। हम उनके नेतृत्व में अपने क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आमजन की सुनीं समस्याएं , जनदर्शन में 45 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत बीते सोमवार को कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।सोमवार को आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 45 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज व विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने ली समीक्षा बैठक, एक सप्ताह में प्रगति बढ़ाने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की प्रगति तेज करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (क्क्रूड्ड-त्र) के प्रभावी क्रियान्वयन और लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्रीमती प्रेमलता पद्माकर ने समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में योजना की वर्तमान स्थिति, ग्राम पंचायतवार प्रगति तथा अपूर्ण आवासों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सीईओ ने आवास नोडल, रोजगार सहायकों एवं आवास मित्रों से ग्राम पंचायतवार जानकारी ली। विशेष रूप से अप्रारंभ (शुरू न किए गए) आवास तथा प्रगतिरत (निर्माणाधीन) आवासों की स्थिति पर चर्चा की गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों के आवास अभी तक प्रारंभ नहीं हुए हैं, उन्हें तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ कराने हेतु प्रेरित किया जाए। सीईओ ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे आगामी एक सप्ताह के भीतर प्रगति में स्पष्ट सुधार सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्य में लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है और पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि 30 मार्च से पूर्व प्रारंभ किए गए प्रत्येक आवास के 90 दिवस एमआर (मस्टर रोल) कार्य को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। प्रत्येक रोजगार सहायक को अपने क्षेत्र के लंबित एमआर कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद स्तरीय कर्मचारी, आवास मित्र एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे। सभी ने योजना के सफल क्रियान्वयन और निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया। बैठक के अंत में सीईओ ने कहा कि जिले में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए सभी अधिकारी एवं मैदानी अमला समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।